सत्यमेव जयते

असंशोधित

बिहार विधान–सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

04 दिसम्बर, 2025

बिहार विधान सभा सचिवालय,
पटना ।

अष्टादश विधान सभा   वृहस्पतिवार, तिथि 04 दिसम्बर, 2025 ई0

प्रथम सत्र   13 अग्रहायण, 1947 (शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय – 11:00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है ।

उपाध्यक्ष का निर्वाचन

माननीय सदस्यगण, अब उपाध्यक्ष का निर्वाचन होगा। माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम–10 के तहत उपाध्यक्ष का निर्वाचन होना है। उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए कुल 4 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। सभी प्रस्ताव एक ही माननीय सदस्य श्री नरेन्द्र नारायण यादव को उपाध्यक्ष चुने जाने के संबंध में प्राप्त हुए हैं। पहले प्रस्ताव के प्रस्तावक माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी हैं एवं अनुमोदनकर्ता माननीय मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी जी हैं। दूसरे प्रस्ताव के प्रस्तावक माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा जी हैं एवं अनुमोदनकर्ता श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी, स0वि0स0 हैं। तीसरे प्रस्ताव के प्रस्तावक माननीय मंत्री श्री श्रवण कुमार जी हैं एवं अनुमोदनकर्ता श्री विनोद नारायण झा, स0वि0स0 हैं। चौथे प्रस्ताव के प्रस्तावक श्री राजू तिवारी, स0वि0स0 हैं एवं अनुमोदनकर्ता श्रीमती स्नेहलता, स0वि0स0 हैं।

माननीय सदस्यगण, सभी प्रस्ताव नियमानुकूल हैं। चूंकि श्री सम्राट चौधरी जी माननीय उप मुख्यमंत्री से संबंधित प्रस्ताव आसन को पहले प्राप्त हुआ है। इसलिए मैं इन्हें प्राथमिकता देता हूं। माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि

''श्री नरेन्द्र नारायण यादव, स0वि0स0 बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष चुने जायें।''

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, श्री विजय कुमार चौधरी जी।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूं।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''श्री नरेन्द्र नारायण यादव, स0वि0स0 बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष चुने जायें।''

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

श्री नरेन्द्र नारायण यादव, स0वि0स0 सर्वसम्मति से बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

मैं अपनी ओर से और पूरे सदन की ओर से माननीय श्री नरेन्द्र बाबू को बधाई देता हूं।

माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर
वाद–विवाद एवं सरकार का उत्तर ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद–विवाद प्रारंभ होगा। माननीय सदस्य श्री राणा रणधीर जी ने माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करने की अपनी इच्छा की सूचना दी है तथा माननीय सदस्य श्री राम विलास कामत के द्वारा इसके अनुमोदन का अनुरोध किया गया है। वाद–विवाद एवं सरकार के उत्तर के लिए दो घंटे का समय उपलब्ध है। विभिन्न दलों को उनकी सदस्य संख्या के आधार पर समय का आवंटन निम्न प्रकार किया जाता है। इसी समय में से सरकार के उत्तर के लिए भी समय दिया जायेगा।

भारतीय जनता पार्टी	–	44 मिनट
जनता दल (यू)	–	42 मिनट
राष्ट्रीय जनता दल	–	12 मिनट
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)	–	09 मिनट
इंडियन नेशनल कांग्रेस	–	03 मिनट
हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा	–	02 मिनट
ए0आई0एम0आई0एम0	–	02 मिनट
राष्ट्रीय लोक मोर्चा	–	02 मिनट
सीपीआई (एमएल)(एल)	–	01 मिनट
सीपीआई (एम)	–	01 मिनट
बहुजन समाज पार्टी	–	01 मिनट
इंडियन इन्क्लूसिव पार्टी	–	01 मिनट
		कुल–120 मिनट

माननीय सदस्य श्री राणा रणधीर जी माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर अपना धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

श्री राणा रणधीर : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि

''सदस्यगण इस अभिभाषण के लिए राज्यपाल के कृतज्ञ हैं।''

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री रामविलास कामत जी।

श्री रामविलास कामत : अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर श्री राणा रणधीर द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव का मैं अनुमोदन करता हूं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर माननीय नेता विरोधी दल श्री तेजस्वी प्रसाद यादव एवं श्री अखतरूल ईमान, स0वि0स0 से संशोधन प्राप्त हुए हैं।

माननीय मुख्यमंत्री जी।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले नवगठित विधानसभा के पहले सत्र में चुनाव जीतकर आए सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन करता हूं और उन्हें बधाई देता हूं।

बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में माननीय राज्यपाल महोदय का अभिभाषण हुआ है। मैं बिहार विधानसभा के उन सभी माननीय सदस्यों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने माननीय राज्यपाल के अभिभाषण में भाग लिया है। माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में सरकार की उपलब्धियों एवं प्राथमिकताओं को विस्तार से बताया है और इसके लिए मैं माननीय राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं और मैं सदन के समक्ष अपनी कुछ बातें रखना चाहता हूं। आप सब जानते हैं कि 24 नवंबर 2005 को पहली बार एनडीए की सरकार बनी थी और तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार 20 वर्षों से विकास के काम में लगे हुए हैं। बिहार का विकास करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य रहा है। हम दिन–रात बिहार को आगे बढ़ाने के लिए भी सोचते हैं और इसी प्रकार काम करते रहते हैं। मैं बिहार की जनता का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस बार के विधानसभा चुनाव में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और एनडीए गठबंधन को भारी बहुमत से विजयी बनाया है। शुरू से ही बिहार के विकास का काम हो रहा है।

अब किसी प्रकार के डर एवं भय का वातावरण नहीं है। राज्य में प्रेम, भाईचारा एवं शांति का माहौल है। पहले कितना हिंदू–मुस्लिम झगड़ा होता था! इसलिए वर्ष 2006 से ही कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू की गई है। अब बड़े पैमाने पर कब्रिस्तानों की घेराबंदी की जा चुकी है, अब कोई झगड़ा झंझट नहीं होता है और वर्ष 2016 में 60 वर्ष से पुराने हिंदू मंदिरों की घेराबंदी की गई है जिससे चोरी आदि की घटनाएं नहीं होती हैं। यह सब काम करवाया गया है, जो भी था शुरू से ही और सर्वप्रथम शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है।

(क्रमशः)

टर्न–2 / संगीता / 04.12.2025

(क्रमशः)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : हमलोगों ने बड़ी संख्या में नए स्कूल खोले और नियोजित शिक्षकों की बहाली की, लड़के–लड़कियों के लिए पोशाक एवं साइकिल योजना चलायी, बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 2 लाख 58 हजार सरकारी शिक्षकों की बहाली की गई है और वर्ष 2006 में 3 लाख 58 हजार नियोजित शिक्षक बने थे जिसमें से बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 28 हजार 976 सरकारी शिक्षक बन गए और फिर सरकार ने तय किया है कि नियोजित शिक्षकों को बी0पी0एस0सी0 की परीक्षा देने की जरूरत नहीं है और उन्हें मामूली सी परीक्षा लेकर सरकारी शिक्षक बनाया जाए तो इनके लिए उन्हें 5 मौके तय किए और अब तक 3 परीक्षाओं का आयोजन हो चुका है जिसमें 2 लाख 62 हजार नियोजित शिक्षक पास हो गए हैं । अब केवल 77 हजार शेष बच गए हैं और उन्हें 2 मौके और दिए जा रहे हैं । अब कुल मिलाकर सरकारी शिक्षकों की संख्या 5 लाख 20 हजार हो गई है । स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया गया है, पहले स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत खराब थी । प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में इलाज के लिए प्रतिमाह मात्र 39 मरीज ही आते थे यानी प्रतिदिन 1 या 2 मरीज आते थे, पहले यही होता था, इतना ही बुरा हाल था उस समय का, केंद्र के समय में जो हुआ था तो उसी को हमलोगों ने आगे किया । वर्ष 2006 से अस्पतालों में मुफ्त दवा और इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है । अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हर महीने औसतन 11,600 मरीज आते हैं। पहले मात्र 6 मेडिकल कॉलेज थे, अब जिनकी संख्या 12 हो गई है । अब शेष सभी 27 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं और इन्हें शीघ्र पूरा कर दिया जाएगा, यह बहुत तेजी से काम हो रहा है तो सब चीज हो जाएगा, पूरा कर दिया जाएगा । अब पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को अब जो हम लोगों ने पहल किया था, उसके लिए कितना अच्छा सब काम किया तो जो पहले वाला पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल था, उसका हम कितना जा–जा करके देखते हैं, कितना घर बनवाया गया है, सब जगह हम बराबर ही ना जाते रहते हैं, इसको 5,400 बेड तथा 5 पुराने मेडिकल कॉलेज को 2,500 बेड का किया जा रहा है। साथ ही, इंदिरा गांधी इंस्टिच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस तो वह भी था, तो उसको भी हमने पूरा का पूरा किया है, अब उसके लिए भी हम 3,000 बेड का जो है बनाया जा रहा है । तो एक–एक तरह से सब जगह का काम किया जा रहा है पहले ही से ।

राज्य में सड़कों, पुल–पुलियों का निर्माण कराया गया है । राज्य के सुदूर क्षेत्रों में 6 घंटे में पटना पहुंचने के लक्ष्य को वर्ष 2016 में पूरा कर लिया गया । जो हमलोग किए थे सड़क और पुल–पुलिया, वह सब बनवाए थे, तो उसी में था, जो दूर से पटना आने में, वह था 6 घंटे में पटना पहुंचने के लक्ष्य को वर्ष 2016 में पूरा कर लिया गया था । अब राज्य में बड़ी संख्या में सड़कों और पुल–पुलियों, रेल ओवर ब्रिज, बाईपास एवं एलिवेटेड रोड का निर्माण किया गया है जिससे

लगभग 5 घंटे में सबसे दूर वाले क्षेत्र से पटना पहुंचना संभव हो गया है, यह सब सब काम हो रहा है । इसे और बेहतर करने का प्रयास जारी है । इसके लिए 5 नए एक्सप्रेस–वे सड़कों का निर्माण एवं प्रखंड मुख्यालयों को जोड़ने वाली सड़कों का दो–लेन चौड़ीकरण किया जाएगा । उसके बाद वर्ष 2008 में कृषि रोडमैप बनाकर काम किया गया है । उसी समय शुरू में हमलोगों ने काफी किया और आगे भी काफी किया है, जिससे कृषि के क्षेत्र में बहुत अच्छी प्रगति हुई है। अनाज, फल, सब्जी, दूध, अंडा, मांस और मछली उत्पादन काफी बढ़ गया है और मछली का उत्पादन ढाई गुना से अधिक हो गया है और इससे मछली के उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है और साथ ही किसानों की आय बढ़ी है । वर्तमान में चौथे कृषि रोड मैप, जो हुआ है वर्ष 2024 से 2025, उसी को हमलोग करवा दिए । जो शुरू हुआ था 2018 में तो शुरू ही था और उसके बाद फिर बढ़ाए 5 और एक बार और 5 से ज्यादा बढ़ा और उसके बाद फिर बढ़ा दिए तो इतना ज्यादा काम हो रहा है इसलिए आपलोगों को ये सब चीज हम बता दे रहे हैं कि काफी काम हुआ है तो हर तरह से सब जगह से हो रहा है पूरे तौर पर, अब जो कुछ भी हो रहा है इसके लिए पूरा का पूरा काम हो रहा है और वर्तमान में चौथे कृषि रोड मैप वर्ष 2024 से 2019 जो हमने बता दिया उसका किए हैं, के तहत योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है और वर्ष 2015 में 7 निश्चय के तहत ''आर्थिक हल युवाओं को बल'', ''आरक्षित रोजगार, महिलाओं का अधिकार'', तीसरा, ''हर घर तक बिजली'' और चौथा ''हर घर नल का जल'', पांचवा ''हर घर शौचालय'', छठा ''टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने'' तथा सातवां ''अवसर बढ़े आगे बढ़े'' का काम किया गया है और वर्ष 2018 में ही हर घर बिजली पहुंचा दी गई है । सरकार द्वारा शुरू से ही बहुत सस्ती दर पर बिजली दी गई है और अब लगभग सभी घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली मुफ्त दी जा रही है, अब कुछ नहीं है और उसी के बाद सरकार की तरफ से उनका जो घर है, इच्छुक लोगों के घरों पर सोलर लगवाए जायेंगे सरकार की तरफ से, उनको बहुत फायदा होगा । ये सब काम किया जा रहा है और वर्ष 2020 में 7 निश्चय–2 के तहत ''युवा शक्ति बिहार की प्रगति'' दूसरा है, ''सशक्त महिला सक्षम महिला'' तीसरा है, ''हर घर तक सिंचाई का पानी'', चौथा है ''स्वच्छ गांव समृद्ध गांव'', सोलर स्ट्रीट लाइट, पांचवा है ''स्वच्छ शहर विकसित शहर'' और छठा है ''सुलभ संपर्कता'' तथा सातवां है इसके लिए स्वास्थ्य सुविधा, ''डेली मेडिसीन एवं बाल हृदय योजना'', सभी पर काफी काम हुआ है और जो भी काम बचे हैं उन्हें शीघ्र पूरा किया जाएगा, ये सब हो जाएगा सब चीज का और आप जानते ही हैं वर्ष 2020 में और काम किए थे, 7 निश्चय–2 के तहत ही महिलाओं के लिए 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार देना शुरू किया तो ये तो हो गया, 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी हो चुकी है लेकिन हमलोग जो 10 लाख रोजगार की बात किए उसका तो बढ़ते–बढ़ते अब 40 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है, आप सोचिए 10–10 बीस ही न था, तब 10 और 40 होकर 50 लाख हो गया, दोनों को मिलाकर 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार दे दिया है,

अब अगले 5 वर्षों में हमलोगों ने तय कर लिया है कि 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है इसपर तेजी से काम होगा तो ये जो 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी है यह भी और आगे बढ़ेगा तो ये सब हम कर रहे हैं अगली बार 5 साल के लिए हमलोग कर दिए हैं कि उसके लिए हमलोग पूरा करेंगे 1 करोड़ युवाओं का तो ये सब होगा और फिर महिलाओं के लिए वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं एवं वर्ष 2007 में नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण से शुरूआत की गई है, अब तक 4 चुनाव हो गए हैं, सबको शुरू में ही कर दिए थे हमलोग । हमलोगों ने कर दिया था 2016 में पंचायती राज संस्थाओं में और 2007 में किए थे नगर निकायों में और सबको महिलाओं का 50 परसेंट कर दिए वह सब तो है ही और उसके बाद 4 चुनाव उसके अलावे भी चल रहा है वह बहुत अच्छा हुआ और वर्ष 2013 से पुलिस में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया है हमलोगों ने और अब जान लीजिए बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या देश में सबसे अधिक है ।

(क्रमशः)

टर्न–3 / यानपति / 04.12.2025

(क्रमशः)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : वर्ष 2016 से महिलाओं को सभी सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है । पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी, पहले बड़ा खराब था इसीलिए हमलोगों ने किया । वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर राज्य में स्वयं सहायता समूह का गठन किया और उसका नाम हमलोगों ने जीविका दिया, जीविका दीदी भी कहते हैं । आज कितना बढ़ा हुआ है । अब स्वयं सहायता समूह की संख्या बढ़ गई और जीविका दीदियों की संख्या 1 करोड़ 40 लाख हो गई । अब इसके बाद हमलोगों ने 2024 में भी किया कि शहरी क्षेत्रों में भी नहीं होता है वह भी हो । अब शहरी क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह का गठन हो रहा है, आप जान लीजिए कि इसमें लगभग 4 लाख 34 हजार जीविका दीदियां हैं इनका गठन लगातार, और भी तेजी से काम हो रहा है शहरी क्षेत्र में भी । यह सब काम हो रहा है । वर्तमान में महिलाओं के रोजगार के लिए एक नई योजना मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू की गई है जिसके तहत हर घर की एक महिला को 10 हजार रुपये की दर से अबतक 1 करोड़ 56 लाख महिलाओं को राशि दी जा चुकी है । साथ ही शेष महिलाओं को राशि दे दी जायेगी । अब जिन महिलाओं का रोजगार अच्छा चलेगा उन्हें 2 लाख रुपये तक की सहायता दी जायेगी, यह सब काम करने जा रहे हैं । सरकार ने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है, चाहे हिंदू हो, मुस्लिम हो, अपर कास्ट हो, पिछड़ा हो, अतिपिछड़ा हो, दलित हो, महादलित हो सभी के लिए काम किया गया है । मुस्लिम समुदाय के लिए भी हमने काफी काम किया है । मदरसों को सरकारी मान्यता दी गई है, उनके शिक्षकों को अन्य सरकारी शिक्षकों के बराबर वेतन दिया गया है । अब सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को

मिलनेवाली पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर हमलोगों ने 1100 रुपये कर दिया है जिससे 1 करोड़ 14 लाख लोगों को फायदा हो रहा है । विकास कार्यों में जो कमी रह गई उसे पूरा करने के लिए वर्ष 2024 के दिसंबर एवं वर्ष 2025 के जनवरी, फरवरी माह में हम जो गए थे, हमने प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में जाकर विकास कार्यों को देखा और जो कमी रही उसे पूरा करने के लिए, पूरे बिहार के लिए 430 नई योजनाओं की स्वीकृति दी गई है और हर जिले में जो कुछ भी है उसके लिए काम किया जा रहा है । सभी जिलों में इन योजनाओं पर काम शुरू हो चुका है । इन सभी कार्यों को शीघ्र पूरा करा लिया जायेगा । अब इसके अलावे बिहार के विकास में केंद्र सरकार ने भी कितना बड़ा सहयोग किया है, बिहार के विकास में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है । जुलाई 2024 के बजट में बिहार को विशेष आर्थिक सहायता के रूप में सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन, बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि देने की घोषणा की गई है । केंद्र सरकार के द्वारा जुलाई 2024 में और फिर फरवरी 2025 के बजट में बिहार में मखाना बोर्ड, एयरपोर्ट की स्थापना, पश्चिमी कोशी नहर के लिए वित्तीय सहायता आदि की घोषणा की गई है और फिर वर्ष 2018 में देश के कुछ राज्यों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हुआ था, अब इस वर्ष खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन बिहार में हुआ है जो गौरव की बात है । इन सबके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का हम नमन करते हैं । सब करिए नमन । एक बार हाथ उठाइये कि यह सब काम किए हैं, सब कुछ कर रहे हैं । आपलोग क्यों नहीं करते हैं ? आपलोग भी कहिए, सबके लिए वे काम कर रहे हैं, सब तरह से तो इसीलिए हम आपको कह रहे हैं । इसके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का नमन करते हैं । आदरणीय प्रधानमंत्री जी कई बार बिहार आए हैं तथा उनके द्वारा विकास कार्यों का शिलान्यास, शुभारंभ किया गया है । बहुत बार आते हैं पटना और चारों तरफ देखते हैं और सब के लिए फायदा करते हैं । यह सब काम हो रहा है, इन सभी योजनाओं पर अब तेजी से काम हो रहा है । मतलब जो बिहार के माध्यम से और केंद्र के माध्यम से जितना हो रहा है, आप जान लीजिए कि इस बार जो हमलोग आए हैं अब आप समझ लीजिए कि बहुत आगे बढ़ेगा, बहुत विकसित होगा आगे इस बात को जान लीजिए । हमने...

(व्यवधान)

सुनिए, आप तो मेरी बात सुनते ही थे, ऐसा क्यों कर रहे हैं ?

अध्यक्ष : बैठे—बैठे मत बोलिए । प्लीज, बैठे—बैठे मत बोलिए ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : हमने आपको पहले ही बताया है कि हमारी सरकार ने पिछले 20 वर्षों में विकास के अनेक काम किए हैं । इस क्षेत्र में काम हुआ है । चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, महिला सशक्तीकरण के लिए बहुत काम हुआ है । समाज के हर तबके के लिए सरकार ने काम किया है । इस बार बिहार के लोगों ने भारी बहुमत से एन0डी0ए0 (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) को जिताया है, अब विकास की गति को और तेज किया जायेगा । केंद्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है । आनेवाले 5 वर्षों में विकास के अनेक काम किये

जायेंगे । हर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जायेगा । इसी बार के बारे में जान लीजिए और तेजी से औद्योगिक विकास किया जायेगा । महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाये जायेंगे और शिक्षा एवं स्वास्थ्य को और आगे बढ़ाया जायेगा । कृषि रोड मैप के काम को तेजी से किया जायेगा । खेल एवं पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विकास किया जायेगा और सातवां है गांव के साथ–साथ शहरों का भी तेजी से विकास किया जायेगा । अब हमारा राज्य लगातार विकास कर रहा है । इन दिनों काम को और आगे बढ़ाया गया है, अब अगले 5 वर्षों में और ज्यादा काम होगा जिससे बिहार काफी आगे बढ़ेगा । जो इस बार का काम है, जान लीजिए बहुत आगे बढ़ेगा और बिहार के विकास में केंद्र का भी पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है जो हम आपको बता दिए हैं, केंद्र सरकार का भी पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है । बिहार और विकसित होगा और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान होगा । तो मैं अनुरोध करता हूं कि माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के लिए उनके प्रति धन्यवाद का प्रस्ताव सदन सर्वसम्मति से पारित करे । यही हम कह रहे हैं । बहुत चीज जो उनको दिया था वह भी कर दिए हैं और यह सब आपको बता दिए हैं कि बहुत सारा काम हो रहा है और तेजी से काम हो रहा है । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं । बहुत–बहुत धन्यवाद । आपलोग क्यों नहीं कर रहे हैं ?

(व्यवधान)

क्यों नहीं कर रहे हैं ? यह सबलोग कर रहे हैं । सबके लिए फायदा है । हम तो दो बार आपको थोड़ा–थोड़ा रखे हुए थे तो हमने कितना काम किया था । आप तो सब मेरी बात मान लेते थे । बाद में आप गड़बड़ किए तो हम छोड़ दिए, अब कभी नहीं जायेंगे । हमारा जो पहले का है वहीं रहेंगे लेकिन जितना काम किया है । इतना जो काम हुआ है तो आपलोग भी याद रखिए, समझ गए । इन्हीं शब्दों के साथ, बाकी सब कर रहे हैं न । हाथ उठाकर बताइये । बहुत–बहुत बधाई ।

अध्यक्ष : माननीय नेता विरोधी दल श्री तेजस्वी प्रसाद यादव अपना पक्ष रखें ।

(माननीय नेता विरोधी दल, श्री तेजस्वी प्रसाद यादव अनुपस्थित)

नेता विरोधी दल सदन में नहीं हैं ।

यह प्रस्ताव मूव नहीं हुआ ।

राष्ट्रीय जनता दल से माननीय सदस्य श्री कुमार सर्वजीत जी की सूचना आई है, माननीय सदस्य श्री कुमार सर्वजीत जी अपना पक्ष रखें । आपका समय 12 मिनट है ।

श्री कुमार सर्वजीत : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपको बहुत शुभकामनाएं देता हूं, बहुत बधाई देता हूं । 56 वर्ष के बाद एक अतिपिछड़ा का बेटा इस सदन के अध्यक्ष पद पर विराजमान हुए हैं ।

(क्रमशः)

टर्न–4 / मुकुल / 04.12.2025

क्रमशः

श्री कुमार सर्वजीत : अध्यक्ष महोदय, हम अपनी पार्टी की ओर से और बिहार के तमाम अति पिछड़ा, दलितों की तरफ से आपको शुभकामनाएं देता हूं । महोदय, हम चौथी बार इस सदन के सदस्य बने हैं, हर चुनाव में तरह–तरह का अनुभव प्राप्त हुआ है । अभी जैसा माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा था हाथ क्यों नहीं उठा रहे हैं, हमलोग इसलिए हाथ नहीं उठायें महोदय कि माननीय मुख्यमंत्री जी की बात बड़ी दुविधा वाली रहती है । जब हमको उधर बुलाते थे, उस समय शिक्षा देते थे कि भाजपा देश का संविधान ही समाप्त कर देगा और जब इधर आते हैं तो हाथ उठाने के लिए कहते हैं तो इनकी बात हम कौन सी मानें, कोई तो ऐसी बात रहे जो हम मानें । खैर महोदय, चुनाव का मैं अनुभव आपको बता रहा था, इस चुनाव में एक अलग सा अनुभव महसूस हुआ, चूंकि लोकतंत्र है, लोकतंत्र से ही देश और सारे राज्य चलते हैं । पहली बार हमने देखा महोदय, बधाई माननीय मुख्यमंत्री जी ने बिहार के सभी वोटर्स को दिया ही है, हमने इस इलेक्शन में पहली बार देखा कि दूसरे राज्यों से बड़े पैमाने पर ट्रेनें चलीं और जो ट्रेन चली प्रचंड बहुमत आपको मिला, इसके लिए आपको बधाई देता हूं । महिला सशक्तिकरण के लिए इलेक्शन के समय में आपने 10 हजार रुपया महिलाओं को मजबूती के लिए दिया इसके लिए भी आपको बधाई देता हूं, लेकिन एक आग्रह जरूर करेंगे महोदय कि जिन महिलाओं को बिहार में 10 हजार रुपया मिला फरवरी के महीने में, जब सदन चले तो माननीय मुख्यमंत्री जी सदन को यह जरूर बता दें कि बिहार के कितनी महिलाओं को उस पैसे से सशक्तिकरण मिला है, कितनी मजबूती मिली है हम यह आग्रह करेंगे अध्यक्ष महोदय । महोदय, हम चाहते हैं कि अगर मुख्यमंत्री जी गरीबों के हितैषी हैं तो उस 10 हजार रुपये का उपयोग हुआ कि सदुपयोग हुआ यह बिहार की जनता और बिहार के सभी माननीय सदस्य इस बात को जानना चाहते हैं महोदय । महोदय, हमने बहुत सारे देखा तकरीबन 46 से 47 लाख वोटरों का नाम भी कटा, लोग बड़ा हल्ला करते थे कि बांग्लादेशी है, बांग्लादेशी है, 46 से 47 लाख में एक भी बांग्लादेशियों का कोई भी रिकॉर्ड सरकार ने बिहारवासियों के सामने नहीं रखा, सत्ता आपकी है, हमलोग सबको साथ में चलना है, हर व्यक्ति चाहता है, हर जनप्रतिनिधि चाहता है कि बिहार का विकास हो, अभी एक चीज देख रहा हूं महोदय, अभी तक हमलोगों ने सुना था अध्यक्ष महोदय जैसे आपको जब पुत्र की प्राप्ति हुई तो आपने बड़ी उमंग से, बड़ी खुशी से आप अपने बेटे का नाम रखा, उसी नाम से लोग पुकारते हैं । हम अभी अखबारों में देखते हैं, पत्रकार के साथी हमारे सम्राट भाई के पिता जी ने इनका नाम सम्राट रखा और कितनी खुशी होती होगी कि मेरे बेटे का नाम एक राजा के स्वरूप है और पद भी मिला, अब पत्रकार के साथी कुछ न कुछ इनके साथ गड़बड़ कर रहे हैं इनका नाम रख दिया ''बुलडोजर बाबा'' । हम पहली बार जाने हुजूर कि किसी बेटा का नाम आजकल पत्रकार भी रखने लगे, पहली बार देखा हमने । बाद में हमने कई पत्रकारों से पूछा महोदय कि मेरे मित्र का नाम ''बुलडोजर बाबा'' क्यों

रख रहे हैं तो उन्होंने कहा कि गरीबों की झोपड़ियां उजड़ रही हैं इसलिए उनका नाम ''बुलडोजर बाबा'' रख दिये हैं । हमने कहा कि भाई अच्छा काम करते हैं हमारे मित्र का सी0आर0 खराब करना चाहते हैं बेचारे को अभी तुरन्त गृह विभाग मिला है, तुरन्त डिप्टी सी0एम0 बने हैं और आपने तुरन्त ''बुलडोजर बाबा'' नाम रख दिया । महोदय, हमारी इच्छा है कि अगर हमारा भाई डिप्टी सी0एम0 बने तो गरीबों की झोपड़ी उजाड़ करके अपना नामांकरण नहीं होने दीजिए, हम यही आपसे गुजारिश कर रहे हैं । महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने अभी कहा कि हम अपराध मुक्त बिहार बना दिये हैं, महोदय, 2015 से 2024 तक 80 प्रतिशत अपराथ में वृद्धि हुई है, 80 प्रतिशत महोदय और महोदय...

(व्यवधान)

महोदय, अभी हमने आपसे एक वाक्य कहा कि आपको प्रचंड बहुमत मिला और महोदय हमको मालूम था कि आपको जब प्रचंड बहुमत मिलेगा तो सदन के अंदर एक दलित के बेटा को भी बोलने का अधिकार नहीं मिलेगा, यह हमको पहले से पता है । अब लोगों को गलतफहमी हो गयी है महोदय, लोगों को गलतफहमी यह हो गयी महोदय, लोकतंत्र में सदन और सड़क दोनों हैं हमारा कर्तव्य है महोदय.....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया शांति बनाये रखें ।

श्री कुमार सर्वजीत : महोदय, हमारा आग्रह होगा कि लोकतंत्र में विपक्ष भी सरकार का अंग होता है, अगर आपको प्रचंड बहुमत प्राप्त हुआ तो यह तय मानिये कि सड़क जो है सुनी पड़ी है और जब सड़क सुनी हो जाती है महोदय तो सरकार जो होती है वह बेकाबू हो जाती है । लेकिन हम आपको इस सदन के माध्यम से वचन देता हूं बिहार की जनता को कि जब तक हमलोग हैं विपक्ष में, हम बिहार की सड़कों को सुनी नहीं होने देंगे महोदय, हम संघर्ष करेंगे ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप अपना पक्ष रखें, आपका समय निर्धारित है । कृपया टोका–टोकी न करें ।

श्री कुमार सर्वजीत : महोदय, एक विधायिका कह रही हैं, हमको याद है महोदय जब हमारी सरकार थी वही महोदया सायरन लगाकर चलती थी, आज हम ही को कह रही हैं कि लड़ाई करना चाहते हैं, हम आपको बहुत ज्यादा नहीं बोलना चाहते हैं । महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने अस्पताल बनाया, इसके कहीं से कोई दोमत नहीं है, हम माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह करना चाहते हैं, आप भी अध्यक्ष महोदय वहां से लगातार 40 वर्षों से एम0एल0ए0 हैं महोदय, अभी अध्यक्ष पद पर विराजमान हुए हैं एक बार गया का अस्पताल जरूर अपने विभाग से मगध मेडिकल कॉलेज को विजिट करवा लीजिए, जाने के बाद ऐसा लगता है जैसे हमलोग किसी दलित के मोहल्ले में पहुंच गये हैं, ऐसी स्थिति है महोदय अस्पताल की । ऐसी स्थिति है कि मैं आपको बता नहीं सकता और महोदय....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : प्लीज । कृपया शांति बनाए रखें ।

श्री कुमार सर्वजीत : अध्यक्ष महोदय....

अध्यक्ष : प्लीज, प्लीज । मेरा आग्रह है, बैठ जाएं, बैठ जाएं ।

श्री कुमार सर्वजीत : अध्यक्ष महोदय....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया शांति बनाए रखें । सर्वजीत बाबू, मैं स्वयं लगातार देखता हूं, हाल में मैं अस्पताल में गया था और बहुत अच्छी व्यवस्था बदल गयी है और काफी अंतर आया है । मैं तो लगभग 50 वर्षों से राजनीति में हूं और 40 साल से मुझे विधायक बनने का मौका मिला है, वहां जाकर के सच्चाई देखनी चाहिए पहले की स्थिति से आज की स्थिति काफी बदल गयी है, मैं हाल में स्वयं गया था और अपनी ज्योति मांझी जी के साथ घटना घटी थी और मैं वहां पर चुनाव के क्रम में इनसे मिलने गया था और काफी अच्छी व्यवस्था वहां पर है, सच्चाई को रखिए और उसमें कोई कमी होगी तो सरकार उसको देखेगी ।

टर्न–5 / सुरज / 04.12.2025

श्री कुमार सर्वजीत : अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री अपनी ओर से एक कमेटी बना दें और हमलोग भी साथ में चलेंगे मगध मेडिकल कॉलेज के हालात को, बाहर के हालात जब देखेंगे, जहां पर एम्बुलेंस लगता है नर्क से भी बदत्तर स्थिति है ।

महोदय, जहां तक दलितों की बस्ती का सवाल है महामहिम ने कहा कि नली और गली बनी है । चौथी बार मैं सदस्य बनकर आया हूं । तीन बार मैं अपने क्षेत्र में कभी–भी वोट मांगने नहीं गया था । पहली बार मुझे वहां पर जाने का मौका मिला और मैंने जो दलितों के बस्तियों का हालात देखा हूं....

(व्यवधान)

आज भी मैं दावे के साथ कह सकता हूं महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप बैठ जाइये । रत्नेश जी आप बोलिये ।

(व्यवधान)

बोल रहे हैं, बोलिये ।

श्री रत्नेश सादा : महोदय, मैं आपके माध्यम से...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बोलने दीजिये न ।

श्री रत्नेश सादा : महोदय, आपके माध्यम से मैं कहना चाहूंगा कुमार सर्वजीत जी को, उसी दलित की कोख से यह पैदा हुये हैं, क्या दूसरी जात से पैदा हुये हैं और इन्होंने जो...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : मेरी अनुमति से बोल रहे हैं, मैंने अनुमति दिया है ।

श्री रत्नेश सादा : इन्होंने जो हरकत किया है दलितों के साथ, इसको आने वाले समय में माफ नहीं करेगा दलित ।

अध्यक्ष : बैठ जाइये । आप बोलिये सर्वजीत जी ।

श्री कुमार सर्वजीत : महोदय, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अगर माननीय सदस्य में इतनी हिम्मत है, कल ये हमारे साथ गया जिला के 25 ऐसे दलित के गांव में चलिये...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति बनाये रखें ।

श्री कुमार सर्वजीत : महोदय, हम इनको चुनौती देते हैं कि ये चले हमारे साथ । आज भी महोदय आप गया जिला में चलेंगे तो एक भी ऐसा मुसहर जाति का गांव नहीं है जहां पर उसको नली और गली प्राप्त हुआ है । एक ऐसा कोई गांव नहीं है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपका समय पूरा होने वाला है, कृपया संक्षिप्त करें ।

श्री कुमार सर्वजीत : महोदय, आधा समय तो आप ही ले लिये...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया शांति बनाये रखें ।

श्री कुमार सर्वजीत : अध्यक्ष महोदय....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया बैठ जाएं, आप अपना पक्ष अपने समय में रखेंगे ।

श्री कुमार सर्वजीत : अध्यक्ष महोदय, एक हमारा अंतिम आग्रह होगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने गांव में, पंचायतों में प्लस टू शिक्षा की व्यवस्था की है । लेकिन यह बड़ी चिंता का विषय है कि क्या गांवों में गरीब की बेटियां प्लस टू के बाद कॉलेज की शिक्षा ग्रहण कर रही हैं कि नहीं कर रही हैं । हम आग्रह करेंगे माननीय मुख्यमंत्री जी से कि अगर गांव की बेटियां प्लस टू के बाद शिक्षा ग्रहण नहीं कर रही हैं, मुझे जहां तक जानकारी है 90 प्रतिशत बेटियां प्लस टू के बाद कॉलेज ग्रहण नहीं कर रही हैं । हमारा जो विधान सभा है बोधगया विधान सभा, वहां फतेहपुर एक ब्लॉक है जहां से गया कि दूरी लगभग 80 किलोमीटर के आस–पास पड़ता है । हम माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह करते हैं कि अगर आप बेटियों के प्रति सच में सजग हैं तो बेटियों को पढ़ने के लिये वहां पर कॉलेज की स्थापना करिये । हमारा पूरा इलाका झारखंड से जुटा हुआ है, पूरा जंगली इलाका है । अगर वहां पर बनता है तो हमलोगों को भी अच्छा लगेगा, माननीय मुख्यमंत्री जी का सपना साकार होगा...

अध्यक्ष : अब आप समाप्त करें । आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री कुमार सर्वजीत : धन्यवाद महोदय ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री राणा रणधीर जी । आपका समय 10 मिनट है ।

श्री राणा रणधीर : अध्यक्ष महोदय, अवसर देने के लिये धन्यवाद । सर्वजीत जी हमारे मित्र हैं हमलोग कॉलेज में साथ–साथ पढ़े हैं । मैं अच्छे से उनके विषय को सुना हूं एक–एक विषय का जवाब दूंगा ।

अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले आपको बधाई है, धन्यवाद है कि आपको सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है 18वीं विधान सभा में और मैं अपने सदन नेता आदरणीय मुख्यमंत्री जी, देश के, दुनिया के यशस्वी नेता आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी और अपने द्वय उप मुख्यमंत्री सबके प्रति आभार प्रकट करता हूं कि मुझे यह अवसर मिला 18वीं विधान सभा में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का और सबसे ज्यादा आभार मैं मधुबन की महान जनता का करता हूं जिसके आशीर्वाद ने, जिसके वोट ने मुझे चौथी बार सदन में भेजा है और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया है ।

अध्यक्ष महोदय, बिहार ने विकास की एक लंबी यात्रा तय की और अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने कहना चाहता हूं कि

''मंजिले और लक्ष्य बड़ी जिद्दी होती हैं
हासिल कहां नसीब से होती हैं
पर वहां तुफान भी हार जाते हैं
जहां कश्तियां जिद पर होती हैं ।''

अध्यक्ष महोदय, अब मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के लिये कहना चाहता हूं कि

''जीतने का हुनर हमने उस सूरज से सीखा है
जो अंधेरे को चीरकर जग में उजियारा कर देता है ।''

अध्यक्ष महोदय, बिहार में आज 18वीं विधान सभा है, यह बिहार की जो यात्रा रही है, यहां 08 बार राष्ट्रपति शासन लगा है बिहार में और 17 चुनाव के बाद यह 18वीं विधान सभा में हम सब आज ऐतिहासिक बहुमत के साथ ऐसा बहुमत जिसमें बिहार की माताओं का, नारी शक्ति का, युवाओं का, पूरे बिहार के लोगों का ऐसा मैन्डेट है कि विपक्ष के मित्रों को पता ही नहीं चल रहा है कि वह क्या कहें, क्या बोलें । एक–एक विषय पर और अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी के लिये कहना चाहता हूं हम सब नई पीढ़ी के लोग हैं । मैं सदन के सामने एक तथ्य रखना चाहता हूं, सदन को अच्छा लगेगा कि पहली बार 18वीं विधान सभा में 94 ऐसे माननीय सदस्य हैं जो जीतकर आये हैं उनका बहुत स्वागत, अभिनंदन है । दूसरी बार जीतने वाले ऐसे 60 लोग हैं । तीसरी बार जो जीतकर

आये हैं ऐसे 40 लोग हैं । चौथी बार जीतने वाले 18 लोग हैं। पांचवीं बार जीतने वाले 11 लोग हैं । छठी बार जीतने वाले 12 लोग हैं और सातवीं बार जीतने वाले 03 लोग हैं । आठवीं बार जीतने वाले 03 लोग हैं । नौवीं बार जीतने वाले माननीय अध्यक्ष महोदय और आदरणीय विजेन्द्र यादव जी, जिनको देखकर हम सब और पूरा सदन सीखता रहता है और दसवीं बार जीतने वाले एक सदस्य आदरणीय हरिनारायण बाबू हैं । मैं चाहता हूं कि एक बार सदन मेज थपथपा कर हरिनारायण बाबू का स्वागत और अभिनंदन करे ।

अध्यक्ष महोदय, कहते हैं कि

मेहनत अगर आदत बन जाए
तो कामयाबी मुकद्दर बन जाती है ।

अध्यक्ष महोदय, मैं फिर से रिपिट करता हूं, माननीय मुख्यमंत्री जी के लिये पंक्तियां सटीक बैठती हैं कि

मेहनत अगर आदत बन जाए
तो कामयाबी मुकद्दर बन जाती है ।

वर्ष 2005 में बिहार ने करवट लिया नीतीश कुमार जी के, एन0डी0ए0 के नेतृत्व में और विकास की यात्रा जो नीतीश कुमार जी ने शुरू की यह विचार की ताकत से की और विचार में क्या था बिहार का निर्माण करना था । बिहार में सड़कों का जाल बिछाना था । बिहार की पुलिस व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और बिहार के लॉ एंड आर्डर को ठीक करना था और इस विचार की ताकत ने एन0डी0ए0 सरकार के मुखिया नीतीश कुमार जी को और हमारे सदन के अभी सदस्य नहीं रहें, हमारे पूर्व उप मुख्यमंत्री आदरणीय सुशील मोदी जी को भी याद करना चाहता हूं । इस सदन के माध्यम से उनको श्रद्धांजली देना चाहता हूं कि 23 हजार करोड़ के बिहार को नीतीश कुमार जी के नेतृत्व ने, स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी जी एन0डी0ए0 के नेतृत्व ने 03 लाख 17 हजार करोड़ का बिहार बनाने का काम किया ।

अध्यक्ष महोदय, कहते हैं कि यों ही नहीं मिलती है राही को मंजिल । हमारे मित्र ने कहा, आपको धन्यवाद दिया और कहा कि 56 वर्षों के बाद पहली बार बिहार विधान सभा के अध्यक्ष कोई अति पिछड़ा बने ।

(क्रमशः)

टर्न–6 / धिरेन्द्र / 04.12.2025

(क्रमशः)

श्री राणा रणधीर : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने मित्र श्री कुमार सर्वजीत जी से कहना चाहता हूँ कि इसी सदन में कर्पूरी ठाकुर जी मुख्यमंत्री रहें । आपकी भी महागठबंधन की सरकार थी, आपने चिंता नहीं की । माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की

सरकार ने स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न देने का काम किया है । अभी हमारे मित्र को चिंता थी कि दलित को सदन में भारतीय जनता पार्टी, एन॰डी॰ए॰ गठबंधन से जितने दलित जीत कर आये हैं, आप डाटा उठाकर देख लीजिये, आपको समझ में आयेगा कि एन॰डी॰ए॰ सरकार कैसे समाज के सभी तबको का ख्याल रखती है । यह सब का साथ, सब का विकास करने वाली सरकार है, यह न्याय के साथ विकास करने वाली सरकार है और इस सरकार ने क्या–क्या विकास के लिए काम किये हैं, जनता ने उस पर मोहर लगाई है । किस प्रकार से बिहार का जी॰एस॰डी॰पी॰, मैं सदन के सामने रखना चाहता हूँ, वर्ष 2023–24 में यह बढ़ कर 08 लाख 54 हजार 449 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है । इसको प्रतिशत में लें तो यह प्रतिशत जी॰डी॰पी॰ का बिहार के स्थिर कीमतों पर विकास दर 9.2 प्रतिशत है और वर्तमान कीमतों पर 14.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है । अध्यक्ष महोदय, राज्य के प्रति व्यक्ति का आय बढ़ा है और यह आय बढ़ कर करेंट प्राईस पर 66 हजार 828 रुपया हुआ है और स्थिर प्राईस पर जिसको कॉन्स्टेंट प्राईस कहते हैं उस पर 36 हजार 333 रुपया हो चुका है । अध्यक्ष महोदय, इसका अर्थ है कि राज्य की आमदनी बढ़ी है, राज्य में निवेश बढ़ा है और संसाधन मजबूत हुए हैं ।

अध्यक्ष महोदय, महिला सशक्तीकरण में तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने बताया कि बिहार ने मिसाल कायम किया है, बिहार ने विचार की ताकत से 2006 में जो जीविका दीदियों का समूह खड़ा किया, आज 11 लाख समूह बन कर तैयार है, इसके 1.5 करोड़ मेंबर हैं और जीविका दीदियों के समूह ने पूरे बिहार में महिलाओं को न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक नेतृत्व दिया है, निर्णय की क्षमता दी है और बिहार, अध्यक्ष महोदय, हमलोग चुनाव में गये थे और हमलोगों ने इस बात को कहा था कि हमलोगों ने, हमारे नेता ने कहा था कि हम इस बार का चुनाव नये बिहार के निर्माण के लिए मांग रहे हैं, विकसित बिहार के निर्माण के लिए मांग रहे हैं और बिहार की जनता ने जिस प्रकार का बहुमत दिया, यह इस बात को दर्शाती है कि बिहार की जनता ने एन॰डी॰ए॰ के लिए प्रचंड बहुमत देने का काम किया है । अध्यक्ष महोदय, इस सदन के माध्यम से मैं बिहार की महान जनता को भी नमन करना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने जो जीविका योजना शुरू की जीविका दीदियों के लिए, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू की और न केवल शुरू किया बल्कि माननीय मुख्यमंत्री जी हमलोगों ने, आज मैं सदन में यह बात रखना चाहता हूँ कि हम सब नयी पीढ़ी के नेता हैं, हमको यह सौभाग्य हुआ नई पीढ़ी में सदन में आने का, हमलोगों ने दीन दयाल उपाध्याय जी का दौर नहीं देखा, हमलोगों ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का दौर नहीं देखा, हमलोगों ने अटल बिहारी वाजपयी जी के साथ काम नहीं किया, हमलोगों ने राम मनोहर लोहिया जी के साथ काम नहीं किया, हमलोगों ने जयप्रकाश जी के साथ काम नहीं किया लेकिन हम सब को इस बात का फख्र है कि हमलोगों ने नीतीश कुमार जी जैसे व्यक्ति के साथ काम किया, नीतीश कुमार जी के मंत्रिमंडल में रहने का सौभाग्य हुआ, जिसने बिहार की दशा और दिशा बदलने का काम किया । अध्यक्ष

महोदय, अभी चुनाव के बाद भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने पिछले दिनों जीविका दीदियों के खाते में 10–10 हजार रुपया फिर से देने का काम किया है । महामहिम राज्यपाल महोदय जी का अभिभाषण बिहार के सरकार का विजन डॉक्यूमेंट होता है । सरकार ने क्या–क्या काम किये हैं और आने वाले वर्षों में सरकार क्या काम करने वाली है, पूरा विषय सरकार रखती है अभिभाषण के माध्यम से । माननीय मुख्यमंत्री जी ने जीविका, सेविका, सहायिका, ममता, आंगनबाड़ी दीदियों के माध्यम से बिहार में एक ऐसा महिला सशक्तीकरण के लिए नेटवर्क डेवलप किया है कि मुझे सदन को बताते हुए खुशी हो रही है कि आज हमारी आशा की जो दीदी है, जिनका मानदेय एक हजार से बढ़ाकर....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपका समय समाप्त हो रहा है ।

श्री राणा रणधीर : अध्यक्ष महोदय, दो–तीन मिनट में मैं समाप्त कर दूंगा ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

श्री राणा रणधीर : अध्यक्ष महोदय, उसको बढ़ाकर तीन गुना किया और करीब एक लाख से ज्यादा हमारी आशा की दीदियों को इसका लाभ मिल रहा है ।

अध्यक्ष महोदय, बिहार में कौशल विकास से युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, रोजगार के अवसर मिले, नौकरी मिले और सरकार ने यह तय किया है कि हमलोग आने वाले पाँच वर्षों में एक करोड़ नौकरी और रोजगार बिहार के नौजवानों को देने का काम करेंगे ।

अध्यक्ष महोदय, आप बिहार के कृषि मंत्री भी रहे हैं और आपके समय में भी, आपको पता होगा, मैं सदन के सामने यह पंक्तिं रखना चाहता हूँ, चूंकि मैं चम्पारण की धरती से आता हूँ, गांधी बाबा की धरती से । कहते हैं कि:

तेरे शहर का पेट मेरी गाँव की मिट्टी से पलता है,
गौरतलब रहे कि देश अपना गाँव में बसता है ।

अध्यक्ष महोदय, बिहार की सरकार ने कृषि रोडमैप बनाकर, अध्यक्ष महोदय, आपको भी सौभाग्य हुआ कृषि कर्मण अवार्ड लेने का और बिहार ने देश में सर्वाधिक पाँच–पाँच कृषि कर्मण अवार्ड लेने का काम किया है, आप भी इसके गवाह हैं ।

अध्यक्ष महोदय, आज किस प्रकार से सहनी समाज प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत से किस तरह से आत्मनिर्भर बना है मछली के उत्पादन में, अंडे के उत्पादन में, मीट के उत्पादन में और किस तरह से....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया समाप्त करें ।

श्री राणा रणधीर : अध्यक्ष महोदय, एक मिनट । महोदय, शिक्षा के बजट को बढ़ाने का काम किया गया है । अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं यह कहना चाहता हूँ कि राज्य में स्कूलों की संख्या 76 हजार तक बढ़ायी गयी, शिक्षा के बजट में बढ़ोतरी की गयी है, स्कूलों में डिजिटल लैब, स्मार्ट क्लास, आधारभूत सुविधाओं में बड़े पैमाने पर काम हुआ है और अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं यह कहना चाहता हूँ कि बिहार में विकास अब सिर्फ कागज पर नहीं है, वह धरातल पर दिख रहा है । महिलाएं सशक्त हो रही हैं, नौजवान प्रशिक्षित हो कर नौकरियां पा रहे हैं, गाँव में सेवाएं

मजबूत हुई हैं, अर्थव्यवस्था बढ़ी है और आज इस सदन के माध्यम से मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में आने वाले पाँच वर्षों में बिहार के आर्थिक उत्थान, सामाजिक न्याय, युवा–नारी शक्ति का स्वर्णिम काल होने वाला है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया समाप्त कीजिये ।

श्री राणा रणधीर : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर देने का काम किया, इसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं सदन को एक महत्वपूर्ण सूचना देना चाहता हूँ । मेरे विधान सभा क्षेत्र गया जी के अंतर्गत अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया जी में बिहार के लोकप्रिय माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के प्रयास से देश के लोकप्रिय माननीय प्रधानमंत्री जी श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी ने तीन एकड़ में पुराने के अलावा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल मगध क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 200 करोड़ रुपये की लागत से एक साल पहले भारत सरकार के माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे॰पी॰ नड्डा जी गया जी आये थे और उन्होंने अपने हाथों से तीन एकड़ में बना अस्पताल जो हमारा है, वह नया शुरू हो गया है उसमें माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी आये थे, श्री विजय कुमार सिन्हा जी आये थे, माननीय मंत्री मंगल पाण्डे जी आये थे एवं सब लोग आये थे यानी हमारे क्षेत्र में पुराना अस्पताल था ही और माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयास से देश के माननीय प्रधानमंत्री जी ने मगध क्षेत्र के लोगों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए तीन एकड़ में 200 करोड़ रुपये की लागत से अस्पताल शुरू करने का काम किया है । हम सदन को बताना चाह रहे थे कि माननीय सदस्य कुमार सर्वजीत जी को मालूम हो जाय । आप वहां जाकर जरूर देखें। आप पुराने वाले में गये होंगे और जो नया बना है वह बहुत शानदार बना है, जिसकी प्रशंसा हर जगह हो रही है ।

श्री कुमार सर्वजीत : महोदय, आप ही के साथ चलेंगे ।

अध्यक्ष : जी, मैं चलूंगा । सदन का सत्र समाप्त होने के बाद मैं साथ चलूंगा । माननीय सदस्य श्री मनोहर प्रसाद सिंह जी । आपका समय तीन मिनट है ।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, एक चीज जो इस सदन में महसूस हो रहा है कि आपके आसन पर आते ही गया जी का मामला, गया जी के सदस्य, गया जी के मुद्दे ही सदन पर हावी हो गए हैं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री मनोहर प्रसाद सिंह जी । आपका समय तीन मिनट है ।

(व्यवधान)

गया जी नाम बिहार सरकार ने रखा है । माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद दीजिये ।

टर्न–7 / अंजली / 04.12.2025

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर आए धन्यवाद प्रस्ताव पर मेरा विनम्र विरोध है । महोदय, इस अभिभाषण में ऐसी कोई बात नहीं है जिसके लिए प्रशंसा की जाए, सिर्फ वादे ही हैं और वादे का क्या कहना, कुछ कहना नहीं है–

''और तेरे वादे पर जिए हम,
तो ये जान झूठ जाना कि खुशी से मर न जाते,
अगर ऐतबार होता ।''

हमलोगों को कोई ऐतबार तो है नहीं इस पर । महोदय, कहा गया है कि यह कानून का राज है, कानून का शासन है तो अगर बिना वैकल्पिक व्यवस्था के गरीबों की झोपड़ियों और फुटपाथी दुकानों को बुलडोजर से ढाह देना ही अगर कानून का राज है तो मैं समझता हूं कि यह उचित नहीं कहा जा सकता है । महोदय, यह आत्म प्रशंसा के अतिरिक्त कुछ नहीं है । महोदय, कहा गया कि 1 लाख 26 हजार पुलिसकर्मियों की संख्या और 1 हजार 380 थाने खोले गए हैं । मैं समझता हूं कि अगर गृह मंत्री निःशुल्क प्राथमिकी दर्ज कराने की व्यवस्था कर दें तो यह बिहार वासियों के लिए अहोभाग्य, क्योंकि बिना पैसे के कोई एफ0आई0आर0 नहीं होता है ।

महोदय, स्वास्थ्य के विषय में कहा गया कि पहले शुरुआती समय में 39 मरीज आते थे, मैं समझता हूं कि यह सरकार की शुरुआत कहां से है क्योंकि 20 वर्षों से तो यही सरकार है । माननीय नीतीश कुमार जी की ही सरकार है तो शुरुआत कहां से है ।

महोदय, जहां अस्पतालों में न डॉक्टर हैं, न नर्स हैं, न दवाइयां हैं, न प्रसव की व्यवस्था है, न एंबुलेंस है, ऑक्सीजन की भी व्यवस्था नहीं है, सरकार 27 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खोलने की बात कह रही है तो इसके लिए मैं यही कहना चाहूंगा कि–

''हमको मालूम है जन्नत की हकीकत,
लेकिन दिल को बहलाने को, 'गालिब' ख्याल अच्छा है ।''

क्योंकि खाली ख्याली पुलाव दिया जा रहा है । महोदय, सड़कें बनी हैं, निःसंदेह सड़कें बनी हैं लेकिन 29 से 30 पुल के ध्वस्त होने का कीर्तिमान भी इसी सरकार को मिला है और यह सरकार इसीलिए भी, इस पुल के ध्वस्त होने का एक कारण यह है कि उसकी गुणवत्ता में कमी है ।

महोदय, हमारे यहां कटाव है और बहुत जोरों से कटाव हो रहा है, अमदाबाद में बबला बन्ना है, मनिहारी में धुरियाही है वहां कटाव हो रहा है लेकिन जो जल संसाधन विभाग के अभियंता हैं वह इस कटाव से हाथ उठा चुके हैं कि हमलोगों के पास अभी पैसा ही नहीं है, हमलोग कहां से कटाव की व्यवस्था कर सकते हैं । महोदय, यह बहुत बड़ी व्यवस्था है और अगर यह नहीं होगा तो पूरा का पूरा गांव कट जाएगा और सरकार ने अभी भी जो व्यवस्था की है वह भी खत्म हो जाएगी ।

अध्यक्ष : कृपया आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : महोदय, अंत में मैं यह कहना चाहता हूं कि जो सरकार है अपने अंतर्द्वंदों से ही हीली–पड़ी है,

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हुआ । कृपया बैठ जाइए ।

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री अखतरूल ईमान जी । आपका समय 2 मिनट है ।

(माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर माननीय सदस्य श्री अखतरूल ईमान से संशोधन प्राप्त हुआ है)

श्री अखतरूल ईमान, स॰वि॰स॰ : मैं प्रस्ताव करता हूं कि

''प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित शब्द जोड़े जायं'' :

किंतु खेद है कि माननीय राज्यपाल के अभिभाषण में निम्नलिखित विषयों का उल्लेख नहीं है :–

1. कि सीमांचल विकास आयोग का गठन किया जायेगा;
2. कि A.M.U किशनगंज सेंटर को भारत सरकार से राशि उपलब्ध कराने हेतु पहल किया जायेगा;
3. कि सीमांचल में नदी कटाव से प्रभावित गांवों को बचाने हेतु ग्राम सुरक्षात्मक कार्य कराया जायेगा;
4. कि सीमांचल में बसने वाले सुरजापुरियों को केन्द्रीय ओ0बी0सी0 सूची में डालने की पहल की जायेगी;
5. कि सीमांचल में नदियों पर पुलों का अभाव है इसलिए हर पांच कि0मी0 पर पुलों का निर्माण कराया जायेगा;
6. कि पूर्णिया जिला में कैंसर अस्पताल की स्थापना करायी जायेगी।''

माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे पास समय नहीं कि मैं माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण का विश्लेषण पेश करूं, लेकिन इतना जरूर कहना चाहता हूं कि यह सरकार पिछले 5 साल की नहीं, बीस सालों की सरकार है। बीस सालों की सरकार को जो कीर्तिमान स्थापित करना चाहिए था वह नहीं कर सकी है । सरकार ने बड़ी अपनी शक्ति दिखाई थी और राष्ट्रीय स्तर पर इसका चर्चा हुआ कि बिहार में जाति आधारित गणना हुआ, लगभग 500 करोड़ नगद और सरकारी कर्मियों के खर्च को जोड़ रहे हैं तो 5 हजार करोड़ का खर्च हुआ है लेकिन सर्वे इसलिए कराया गया था कि जिन लोगों की हालत खराब हैं उनको अच्छा किया जाय लेकिन उसमें अकलियतों की 2 लाख नौकरी और शेड्यूल कास्ट की एक लाख नौकरी खत्म कर दी गई है, उस पर कोई चर्चा नहीं हुई । बिहार को अगर विशेष राज्य का दर्जा या सेंट्रल से कोई पैकेज मिलता है तो वह गरीबी की वजह से और सबसे बुरा हाल सीमांचल का है और सीमांचल के बारे में एक शब्द भी इसमें नहीं कहा गया है । ए0एम0यू0 और एम्स जैसी संस्थाओं को

सीमांचल की जरूरत है उस पर कोई बात नहीं की गई । रेवेन्यू में व्याप्त भ्रष्टाचार है, पूरे तौर पर रेवेन्यू के कर्मचारी लोगों को लूट रहे हैं साईकिल, पोशाक, मध्याह्न भोजन सब जोड़ लें जितना आप देते हैं उससे कई गुणा ज्यादा रैयतों से लोग वसूल कर रहे हैं उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है । हेल्थ के मामले में अगर आप देखेंगे मेरे विधान सभा क्षेत्र और सीमांचल की यही हालत है कि मेरे यहां 35 डॉक्टर होना चाहिए 5 लाख आबादी में सिर्फ 11 डॉक्टर हैं क्या आज के दिन में भी हमारे साथ यही नाइंसाफी रहेगी । एजुकेशन का हाल चौपट है । यूरिया की कीमत अभी साढ़े 300 में बैग मिल रही है ।

अध्यक्ष : आपका संशोधन पढ़ा हुआ माना जाता है ।

श्री अखतरूल ईमान : महोदय, एक मिनट । आप थोड़ी–सी कृपा कीजिए । माँ सब बच्चे से प्यार करती है लेकिन कमजोर बच्चे का जरा ख्याल रखती है । महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूं, सीमांचल कटाव है और वहां पर कटाव के सिलसिले में कुछ भी काम नहीं हो पा रहा है । मैं आपको यह भी कहना चाहता हूं कि इस वक्त कब्रिस्तानों की घेराबंदी बड़ा काम नहीं है, मामला लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त बनाना है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य संशोधन पर चर्चा करें ।

श्री अखतरूल ईमान : महोदय, इस वक्त गरीबों को उजाड़ा जा रहा है और माननीय गृह मंत्री जी से मैं कहूंगा कि बुलडोजर एक खौफ का मामला हो गया है, कानून का राज जरूर स्थापित कीजिए लेकिन बुलडोजर के नाम पर गरीबों को मत आप डराने का काम कीजिए । अमीरों के जो महल बने हैं गैर–कानूनी तौर पर उन पर बुलडोजर लगा दीजिएगा ।

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री अखतरूल ईमान : तो यकीनन है कि आपको हमलोग शाबाशी देंगे ।

अध्यक्ष : कृपया आप बैठ जायं ।

श्री अखतरूल ईमान : महोदय, लेकिन गरीबों की झोपड़ी को उजाड़कर जिनको रोजगार नहीं दे पाए हैं उनकी वैकल्पिक व्यवस्था कर दीजिए ।

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हुआ । कृपया बैठ जाइए ।

श्री अखतरूल ईमान : फिर उनको वहां से हटाने का काम कीजिए । बहुत–बहुत धन्यवाद। महोदय, आपने समय दिया इसके लिए बहुत–बहुत शुक्रिया ।

अध्यक्ष : आपका संशोधन पढ़ा हुआ माना गया है ।

माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री विजय कुमार सिन्हा जी ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में अपनी बात रखने के लिए खड़ा हुआ हूँ । महोदय, छठ महापर्व के पावन पर्व की पवित्रता और शुद्धता के उपरांत लोकतंत्र का महापर्व बिहार की जनता को एक बड़ा अवसर प्रदान किया कि जिन बिहारियों को लोग कलंकित करने का प्रयास किया था, बदनाम करने का प्रयास किया था, उसकी गौरव गाथा को मिटाने का, उसके सांस्कृतिक विरासत पर बार–बार चोट करने

का प्रयास किया था, लोकतंत्र के महापर्व पर हर बिहारी को गौरवान्वित होने का एक अवसर प्रदान किया और उस लोकतंत्र के महापर्व में बिहार की जनता ने चुनाव आयोग के शांतिपूर्ण निष्पक्ष और सौहार्द्रपूर्ण समापन पर जो परिणाम दिया है हर बिहारी गौरवान्वित है । (क्रमशः)

टर्न–8 / पुलकित / 04.12.2025

(क्रमशः)

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : बिहार की जनता को मैं ह्रदय से आभार और धन्यवाद देता हूँ कि इस लोकतंत्र की जननी, पावन भूमि पर निवास करने वाले हर बिहारी ने देश को संदेश दिया । लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों के सामने एक नजीर पेश की कि जो भ्रम का वातावरण बनाते हैं, फ्रॉडिज्म की राजनीति कर, जाति के जहर के लहर के कहर से सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ते हैं, उनको भी सबक सिखा दिया । ये बिहार की जनता ने लोकतंत्र को किस रूप में मजबूती प्रदान की है । महोदय, मैं पक्ष–विपक्ष के माननीय सदस्यों के साथ तमाम लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने वाले लोगों को भी बधाई और धन्यवाद देता हूँ । महोदय, इस बार का चुनाव कई मायने में ऐतिहासिक रहा । जन भागीदारी के मामले में इसने इतिहास रचा । करीब 68 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया । नारी शक्ति की भागीदारी ने देश के सामने एक नजीर पेश की 70 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की भागीदारी इस बिहार की धरती, शक्ति की भूमि पर माता को गाली देने वाले लोगों को भी तमाचा मारा। जिन्होंने माता को गाली दी, देश के प्रधानमंत्री की मां को गाली दी, उनको भी सबक सिखा दिया । जिसने हमारे लोक आस्था के महापर्व छठ मइया को ड्रामा कहा, बिहार के लोक आस्था के महापर्व छठ मइया को ड्रामा कहा । छठ मइया का प्रकोप देख लीजिए आज सदन में सिमट गये हैं एक कॉर्नर में है । छठ मइया जैसे महापर्व पर, हमारी रामचरित्रमानस पर प्रश्न उठाने वालों पर आज मां जानकी की धरती की शक्ति जगी है और अयोध्या भक्ति की भूमि अगर जो है, तो मेरी मां जानकी की धरती शक्ति की भूमि है और शक्ति ने जगाया । उन महिलाओं ने आशीर्वाद दिया । देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, बिहार के मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व को वह जनादेश मिला है । अब भी समय है, सबक ले लें । अपने अस्तित्व को बचा लें । आज विकास की गति जिस ढंग से बढ़ी है, जनादेश ने हमारे डबल इंजन की सरकार को अभूतपूर्व विजय दिलायी है। किसी सरकार के दो दशक तक सत्ता में रहने के बाद इस प्रकार का बहुमत मिलना, जन आशीर्वाद का ऐसा प्रचंड ज्वार उमड़ना हमें सुख और संतोष ही प्रदान नहीं करता है, राजनीति की पाठशाला में पढ़ने वालों को सबक लेने की भी जरूरत है । हर राजनीति करने वाले को इससे सबक लेना चाहिए । साथ ही, आदरणीय प्रधानमंत्री जी और बिहार के मुख्यमंत्री जी के इस यशस्वी नेतृत्व पर हमें गर्व है कि जो कहते हैं, सो करते हैं । फ्रॉडीजम की राजनीति नहीं करते हैं और जनता ने उस पर विश्वास व्यक्त कर

अपना आशीर्वाद दिया, डबल इंजन की सरकार का महोदय, आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने आगे की भावी कार्य योजना पर भी प्रकाश डाल दिया ।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का प्रभावी क्रियान्वयन, अगले पांच वर्ष में एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य, उस शक्ति का सम्मान को आगे बढ़ाने का है । मिशन करोड़पति के तहत चिन्हित महिला उद्यमियों को करोड़पति बनाने की दिशा में एक नया प्रयास किया जाएगा । अति पिछड़े वर्ग से आने वाले व्यवसायिक समूह को 10 लाख की सहायता, ये अति पिछड़ा समाज के लोगों के मन के अंदर जो भय पैदा करता था, दलित महादलित के वोट को वंचित करने का जो खेल खेलता था, और भूत से जो जिन्न निकलता था, वो भय मिटा है, इस चुनाव में ।

पी0एम0 किसान सम्मान निधि के साथ, कर्पूरी ठाकुर सम्मान निधि के रूप में राज्य के किसानों को राज्य सरकार 3000/– रुपये देगी।

महोदय, बिहार दुग्ध मिशन को प्रखंड स्तर पर प्रोसेसिंग और चिलिंग सेंटर बनाकर गति देने का काम रोजगार के एक नए अवसर को आगे बढ़ाएगा।

बिहार गतिशील मास्टर प्लान बनाकर सात नए एक्सप्रेसवे का विकास कर रहा है, जो बिहार की गति को कितनी तेज गति से बढ़ायेगा । माननीय मुख्यमंत्री जी ने ठीक कहा कि छह घंटे से पांच घंटे में और जब हम पथ निर्माण मंत्री थे, उसी समय निर्णय हुआ कि तीन से साढ़े तीन घंटे में बिहार के किसी भी कोने से हम राजधानी पहुंच सकते हैं । यह सारी कार्य योजनाएं जमीन पर उतर रही हैं । चार नए शहरों में मेट्रो का विकास का वादा और शक्ति की भूमि सीतापुरम के रूप में विश्वस्तरीय आध्यात्मिक नगरी के रूप में मां जानकी की जन्म स्थली का विकास किया जाएगा।

महोदय, आज 10 नए शहरों में घरेलू विमान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है । यह विकसित बिहार के स्वरूप को डबल इंजन के वातावरण से बिहारियों को गौरवान्वित करने का क्षण प्रदान कर रहा है । आज बिहार विकसित बिहार औद्योगिक मिशन के अंतर्गत एक लाख करोड़ के निवेश से औद्योगिक क्रांति लाने का काम शुरू होने जा रहा है । 10 नए औद्योगिक पार्क का विकास, गरीबों के लिए पंचा अमृत गारंटी, 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी गई, लोग ढोल बजाते हैं ।

महोदय, गरीबों को लालटेन युग से हमने बाहर लाया । अब लालटेन इतिहास के कूड़ेदान में चला गया । लालटेन वाले लोग भी अब लालटेन अपने घर में नहीं रखते, अब एलईडी का उपयोग करते हैं। यह परिवर्तन बिहार के अंदर है ।

महोदय, 5 लाख का मुफ्त इलाज, 50 लाख नए मकान और मुफ्त राशन । गरीब को भूख से मरने नहीं दिया जा रहा है । यह विकसित बिहार के स्वरूप में एक मजबूत नींव रखी गई है ।

महोदय, आज सामाजिक सुरक्षा पेंशन, किस तरह से लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए 400 से 1100 रुपए बढ़ाया गया । कृषि निर्यात को दोगुना

करने का लक्ष्य रखा गया । पांच मेगा बिहार को दक्षिण एशिया का टेक्सटाइल हब बनाने के संकल्प से हमारे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, महोदय। आज 100 एमएसएमई पार्क तथा 50,000 से अधिक कुटीर उद्यमों को बढ़ावा देकर वोकल फॉर लोकल को बुलंद करने का एक नया काम शुरू हो रहा है, महोदय।

विश्वस्तरीय मेडिसिटी तथा स्पोर्ट सिटी का विकास, महोदय, आज जिस तरह से किया जा रहा है, बिहार में रहने वाले लोग गौरवान्वित होंगे। आज विकसित भारत में निर्णायक भूमिका निभाने वाली विकसित बिहार बनाने के सेंटीमेंट के साथ हमने जनता से अगले 5 वर्ष में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का कमिटमेंट जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने किया है, हमारी सरकार ने किया है । पहले कैबिनेट में, महोदय, बिहार में 25 नई चीनी मिलें खोली जाएंगी । पहले से नौ चीनी मिलें बंद जो पड़ी हैं, उन्हें चालू किया जाएगा, क्योंकि अब अराजकता फैलाने वाले जंगल राज का भय नहीं है, अब निवेशक आएंगे और पूरे विश्वास के साथ डबल इंजन की सरकार की बातों पर वह निवेश करेंगे ।

(व्यवधान)

बिहार में 11 नए टाउनशिप । गलती यह है कि जंगल राज की छाया कहीं न कहीं बिहार पर पड़ी, जिससे निवेशक रुका । बिहार में 11 नए टाउनशिप विकसित किए जाएंगे । इसमें नौ प्रमंडलीय एवं मुख्यालय के अलावा सीतामढ़ी और सोनपुर भी शामिल हैं । बिहार को पूर्वी भारत का टेक हब के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल केप्बिलिटी सेंटर ।

(व्यवधान)

मेगा टेक सिटी, फिनटेक सिटी की स्थापना का निर्णय लिया गया। बिहार को न्यू एज इकॉनमी के अंतर्गत एक वैश्विक बैंक एंड हब, ग्लोबल पार्क प्लेस के रूप में विकसित करने के लिए उच्च स्तरीय कमेटी का गठन भी किया जा रहा है । स्टार्टअप एवं अनयूज इकॉनमी क्षेत्र के रोजगार देने वाली गतिविधियों के विस्तार के लिए उच्च स्तरीय कमेटी का गठन, बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना भी की जा रही है ।

महोदय, बालू वाले लोगों ने बालू की चाहत की जो जैसी भावना रखते हैं, तो मैं उनको बता देना चाहता हूँ कि जिस बालू के मामले में नरसंहार होता था । आप यहां थे और मैं वहां बैठा था । हजारों राउंड गोली इसी कोइलवर में चली थी । तीन दिन सदन के अंदर प्रश्न उठा था, हंगामा हुआ था ।

(व्यवधान)

आज आपको बता रहे हैं, धैर्य से सुनिए ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : भाई वीरेन्द्र जी, कृपया शांत हो जाए ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : आज उस गोली कांड जैसी एक भी साल भर में घटना घटित नहीं हुई और राजस्व 117 प्रतिशत बढ़ाया । महोदय, ओवरलोडिंग बंद है, 10,000 का इनाम भी है ।

(व्यवधान)

गड़बड़ करेंगे तो अंदर भी जाएंगे और हर्ष फायरिंग नहीं व पटाखे फोड़ने की और उसकी जांच भी हुई है । अगर जो इस तरह, इन जंगल राज वाले लोगों को खुली चुनौती है कि जा करके रोज वह जो पटाखा उस दिन फूटा है, रोज शादी में वह फोड़ रहा है । ये पूरा बिहार, वहां का प्रशासन और आपके विपक्ष के लोगों ने भी बयान दिया है । जो कांग्रेस में गए हैं, उन लोगों ने भी कहा कि नहीं, ये हर्ष फायरिंग नहीं, ये पटाखा फोड़ने का, जो शादी ब्याह, मरनी–हरनी में भी ये काम करते हैं । उसकी जवाबी जांच भी आई । मैं आपको बता दूँ कि बालू के क्षेत्र में महोदय, मैंने जो क्रांतिकारी कदम उठाया, अब मेजर मिनरल में ।

(व्यवधान)

भारत सरकार से मेजर मिनरल में भी कई नए ब्लॉक स्टार्ट करने जा रहे हैं ।

टर्न–9/हेमन्त/12.04.2025

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया टोका–टोकी न करें।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : और मैं यह बता दूं महोदय कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तहत कई नये कड़े कदम उठाये जायेंगे। जो बालू माफिया जिस तरह से उसके फन को तोड़ने का प्रयास किया आज कई बालू माफिया घाट सरेंडर करके भाग रहे हैं। मैं उनको भागने नहीं दूंगा, उसकी सिक्योरिटी को भी जब्त करूंगा और नये नियम के तहत बालू में काम करने वाले लोग रोजगार के अवसर पैदा करेंगे, यह माहौल भी खड़ा करने का हम प्रयास करेंगे। दूसरा, राजस्व एवं भूमि सुधार के अंदर ये बालू माफिया और भू माफिया हमारे नेतृत्व में हमारे जिम्मे दिया है, उनके विश्वास पर खरा उतरकर इन दोनों को बिहार में सुशासन का राज स्थापित करने का....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया बैठे–बैठे न बोलें। अनुमति नहीं है। प्लीज बैठ जाइये। आपको अनुमति नहीं है। प्लीज बैठिये ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : ऐसी नकारात्मक भाषा बोलने वाले लोग बिना प्रमाणिकता के, इस तरह के लोग ही बिहार में अराजकता, जंगल राज फैलाये थे और इनसे मुक्ति के लिए हम संकल्पित हुए हैं और बहुत जल्द बहुत चेहरे भी उजागर करेंगे। जिनका खेल बालू माफिया, भू माफिया, दारू माफिया, मैं शोर नहीं मचाता, जमीन पर काम करके उनकी छाती पर बुल्डोजर चलायेंगे ताकि उनको सबक मिल सके। यह व्यवस्था मैं जरूर बनाऊंगा। महोदय, एनडीए सरकार के...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : भाई वीरेन्द्र जी, बैठ जाएं। वीरेन्द्र बाबू, बैठ जाइये।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : परेशान नहीं होइये । जो अच्छा काम करेंगे उनको घबराने की जरूरत नहीं है।

अध्यक्ष : कृपया संक्षिप्त करें।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : परेशानी आपकी झलक रही है। यह हम देख रहे हैं।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठे–बैठे न बोलें।

(व्यवधान)

कृपया टोका–टोकी न करें। बैठे–बैठे न बोलें।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : महोदय, यह एनडीए सरकार सुशासन के साथ...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : भाई वीरेन्द्र जी, शांति–शांति।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : विकसित बिहार बनाने के संकल्प को सरकार साकार करेगी। डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया, बैठे–बैठे न बोलें। शांति–शांति।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : आगे बढ़ेगा। इसी के साथ पुनः सभी माननीय सदस्य जो नये आये हैं उनका अभिनंदन, उज्ज्वल भविष्य की कामना और मैं कहूंगा कि जब मौसम बदलता है, तो मौसम के अनुसार वस्त्र पहनता है, खान–पान बदलता है, रहन–सहन बदलता है, जो नहीं बदलेंगे वह जरूर बीमार पड़ेंगे। मित्र के नाते सलाह है कि मौसम बदला है, सुशासन की सरकार न्याय के साथ विकास, सबका साथ–सबका विकास के भाव में आप अपने अराजकता की मानसिकता से बाहर निकलकर विकसित बिहार बनाने में सहयोग करें, आप उसमें अपनी भागीदारी करें, हमारी यही शुभकामना है। बहुत–बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री राजू तिवारी जी। आपका समय चार मिनट है।

श्री राजू तिवारी : सर, पांच मिनट है। चार मिनट उनका है। हम दिये हुए हैं।

अध्यक्ष महोदय, आपने हमको बोलने का मौका दिया है इसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद और साथ–साथ मैं जिस विधान सभा गोविन्दगंज से चुनकर आया हूं वहां की देवतुल्य जनता का और वहां बाबा सोमेश्वरनाथ की कृपा और आशीर्वाद से मैं सदन में पहुंचा हूं और अपने नेता आदरणीय चिराग पासवान जी के आशीर्वाद से उनके नेतृत्व में। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि इस सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के पक्ष में हमको बोलने का मौका आपने दिया है। अभी हम इस सदन में सुन रहे थे, हमारे मुख्यमंत्री जी के बोलने के बाद नेता प्रतिपक्ष के स्थान पर हमारे भाई माननीय कुमार सर्वजीत जी बोल रहे थे । हमको याद है कि कुमार सर्वजीत जी पहली बार इस सदन के सदस्य हुए थे। उस समय हमारे नेता, हमारी पार्टी के संस्थापक पद्मभूषण रामविलास पासवान जी के आशीर्वाद से यह पहली बार इस सदन में आये थे। हमको बड़ा अच्छा लगता कि

ये हमारे संस्थापक पद्मभूषण रामविलास पासवान जी के प्रति भी थोड़ी कृतज्ञता व्यक्त कर दिये होते, तो बड़ी खुशी होती, लेकिन ये लगातार सरकार की नीति, अरे भई! सरकार बीस साल से माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में काम कर रही है और देश में ऐसे मुख्यमंत्री हमारे मुख्यमंत्री जी हैं जिनकी लोकप्रियता दिन–प्रतिदिन बढ़ रही है और जनता ने उनको हमेशा आशीर्वाद दिया है और लोकतंत्र की मालिक बिहार की जनता है। पांच साल बाद जनता–जनार्दन के दरबार में आप लोग हमेशा मुंह की खाते हैं और फिर भी ज्ञान नहीं करते कि कैसे मुख्यमंत्री जी और हमारे, अभी तो आप लोग हमको लग रहा है कि मुख्यमंत्री जी का जो सुशासन का राज है उसके हिसाब से हम देख रहे हैं कि हमारे दो–दो डिप्टी सीएम, हमारे आदरणीय डिप्टी सीएम आदरणीय सम्राट चौधरी जी से ज्यादा भयभीत दिख रहे हैं। हमको समझ में नहीं आता है भई। आप बात करते हैं गरीब की झोंपड़ी, उसको ढहाने की, कहीं ऐसा कुछ नहीं होगा। सरकार गंभीर है और सरकार पहले से तय कर चुकी है कि जिन गरीबों के पास अगर जमीन नहीं होगी, उसको जमीन दी जायेगी और उनको घर भी बनाकर दिया जायेगा। सरकार गरीबों की कभी भी झोंपड़ी नहीं उजड़ने देगी, इसकी चिंता आप लोग मत करिये, सरकार इसके लिए एकदम संकल्पित है। हां, भय उनको जरूर है जो कुछ लोग सरकारी जमीन कब्जा किये हैं, अवैध रूप से बनाये हैं। जो 2005 से पहले का उनका है, वह लोग भयभीत हैं, भयभीत होना भी चाहिए। कानून का राज जब होगा, तो ऐसे लोगों को भयभीत होना चाहिए। इस समय हमारे दोनों उप मुख्यमंत्री जी बैठे हैं और भी बड़े वरिष्ठ माननीय मंत्री जी बैठे हैं। आजकल मीडिया में देख रहे हैं कि सम्राट जी का बुल्डोजर, हमारे बुल्डोजर, बुल्डोजर, उसका भय होना भी जरूरी है और आप लोग भयभीत रहियेगा, तो निश्चित रूप से बिहार में कानून का राज होगा।

महोदय, मैं देख रहा हूं कि पहली बार इस सदन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी जी, हमको लगता है कि ये पूरा चुनावी घोषणा पत्र है। अभी हम लोगों के आदरणीय मंत्री जी बोल रहे थे नियम–89 के तहत, यह पूरा घोषणा पत्र है। इस घोषणा पत्र को अभी जनता–जनार्दन ने विधिवत् रूप से खारिज कर दिया। जनता मालिक है, यह समझने की आवश्यकता है, माननीय प्रधानमंत्री जी बोल चुके हैं। आप लोग कभी बिहार के मुद्दे पर, बिहार वासियों के मुद्दे पर कभी अपनी बात नहीं रखते हैं। बिहार में काम, आप देख लीजिए, किस क्षेत्र में, जहां भी जाइयेगा काम हो रहा है माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काम हो रहा है, डबल इंजन की सरकार है। कभी देश में एक एम्स या दो एम्स होते थे, आज बिहार में दो–दो एम्स हैं। आज कितने मेडिकल कॉलेज हैं। हमको लगता है कि कुछ जिला बचा हुआ है, जहां मेडिकल कॉलेज नहीं बन रहा है, सब जगह बन जायेगा। बिजली व्यवस्था...

(व्यवधान)

आप अपनी बात रखियेगा। बिजली की व्यवस्था, आप वह दिन याद करिये। बिहार में, आप गांव की बात तो छोड़ दीजिए, शहर में बिजली व्यवस्था होती थी तो हमको लगता है कि एक बार आंधी आती थी, तो हमको लग रहा है कि एक

हफ्ता, दस दिन बिजली नहीं रहती थी। गांव में तो पोल ही नहीं था, तार लगता था और तीसरे दिन तार गायब हो जाता था। यहां हमारे बहुत पुराने, वरीय साथी बैठे हैं, सब लोग जानते हैं, देखा है वह बिहार ने वह 2005 से पहले का समय। तो काम हो रहा है और काम के आधार पर जो जनता ने आशीर्वाद दिया है लगातार, 2005 के बाद देख लीजिए। ऐसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हमारे हैं आदरणीय नीतीश कुमार जी और डबल इंजन की सरकार है, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी है। इस गठबंधन में हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में हम चुनाव लड़े हैं, हमारे गठबंधन में हमारे नेता चिराग पासवान जी हैं, मांझी जी हैं, उपेन्द्र जी हैं। यह गठबंधन जनता की पसंद है यह बात जान लीजिए।

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हो रहा है।

श्री राजू तिवारी : और काम किया है। मैं एक बहुत महत्वपूर्ण बात और रखना चाहता हूं। बहुत सारी बाते हैं। फिर चाहे बिजली हो, किसानों का हो, जो कामगार लोग हैं सबकी चिंता करती है सरकार और सरकार को काम के प्रति जनता का आशीर्वाद मिला है। इसलिए मैं आखिरी में एक बात और कहना चाहता हूं, बड़ी गंभीर बात है। मैं ब्राह्मण बिरादरी से आता हूं और इस सदन में आप हम लोगों के मालिक हैं, सदन के सभी सदस्य बैठे हैं। अध्यक्ष महोदय, एक वरिष्ठ आईएएस, जिनका नाम है सीनियर आईएएस संतोष वर्मा, किसी भी जाति की बेटी के बारे में, जो गंदी बात उन्होंने बोली है जिम्मेदार पद पर रहते हुए, यह निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं सदन से मांग करूंगा, किसी भी जाति के बारे में, किसी की बेटी और किसी की बहन के बारे में किसी को अधिकार नहीं है बोलने का, संविधान से कानून चलता है। मैं आग्रह करूंगा सभी हमारे माननीय मंत्री, हमारे मुख्यमंत्री, हमारे सभी दल के सदस्यों से कि

(क्रमशः)

टर्न–10 / संगीता / 04.12.2025

(क्रमशः)

श्री राजू तिवारी : ऐसे आई0ए0एस0 जो एक बहुत जिम्मेदार पद पर हैं, संविधान के तहत देश चलता है, ऐसे लोगों पर कार्रवाई हो, इस सदन से मैं सर्वसम्मत से चाहूंगा, मांग करूंगा कि उनके ऊपर एफ0आई0आर0 दर्ज किया जाए, इतनी कठोर कार्रवाई हो कि...

अध्यक्ष : कृपया समाप्त करें, आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री राजू तिवारी : कोई भी जाति के लोग हों, कोई भी समाज के बारे में कोई बोलने का दुस्साहस न करे...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री संदीप सौरभ जी ।

श्री राजू तिवारी : मैं यह मांग करूंगा और इन्हीं बातों के साथ मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं और धन्यवाद करता हूं कि आपने हमको बोलने का मौका दिया । जय हिन्द ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री संदीप सौरभ जी, आपका समय एक मिनट है ।

श्री संदीप सौरभ : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने जो राज्यपाल का भाषण दिलवाया, उसमें न तो सत्ता पक्ष के किसी भी वक्ताओं ने, इस पूरे मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का धन्यवाद नहीं किया । एक लतीफा अभिभाषण के अंदर था कि हमारे यहां स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुआ है इसको हम जोक मानते हैं जबकि पूरे देश ने देखा कि यह अब तक का भारत के इतिहास का सबके अनफेयर चुनाव था और चुनाव के नाम पर फ्रौड था । आदर्श आचार संहिता के लागू होने के बाद, आदर्श आचार संहिता में इस बात का उल्लेख है कि इसके लागू होने के बाद सत्ता में बैठे हुए लोग किसी तरह का पैसा नहीं दे सकते हैं, कोई सामान का वितरण नहीं कर सकते हैं लेकिन यह हुआ । चुनाव से ठीक पहले तक होता रहा तो यह एक–एक विधान सभा में 65 हजार महिलाओं को पैसा देना और उसके बाद उन जीविका महिलाओं को बूथ पर जबरदस्ती अपॉयंट करना...

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हुआ । माननीय सदस्य श्री अजय कुमार जी ।

श्री संदीप सौरभ : उनको ड्यूटी देना यह चुनाव के नाम पर मजाक बिहार में चला है...

अध्यक्ष : कृपया बैठ जाएं ।

श्री संदीप सौरभ : हम सरकार से कहेंगे और पूरा देश देख रहा है...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अजय कुमार जी ।

श्री संदीप सौरभ : पूरे चुनाव में महोदय लेवल प्लेइंग......

अध्यक्ष : कृपया बैठ जाएं । आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री संदीप सौरभ : महोदय...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अजय कुमार जी ।

श्री अजय कुमार : माननीय अध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री अजय कुमार : राज्यपाल महोदय का अभिभाषण जो पढ़ा गया, वह सरकार के द्वारा लिखित अभिभाषण होता है, उसी को वे पढ़ते हैं और नेता सदन अभी नहीं हैं, वे होते तो ज्यादा बढ़िया होता चूंकि उन्होंने लंबा अभिभाषण दिया । बिहार में 20 साल से वे राज कर रहे हैं, लेखा–जोखा 20 साल का उन्होंने प्रस्तुत किया । मैं उनसे जानना चाहता था कि जब वे पहली बार आए थे, डी0 बंधोपाध्याय आयोग का गठन उन्होंने किया था, डी0 बंधोपाध्याय आयोग का गठन उन्होंने जिस मानसिकता से किया था, बिहार के अंदर गरीबों की गरीबी दूर हो, भूमिहीनों को जमीन मिले, इनका ड्रीम सपना कहां वह चला गया, उन्हें जवाब देना चाहिए, किनके दवाब में डी0 बंधोपाध्याय आयोग के पूरे रिपोर्ट को उन्होंने ठंढे बस्ते में डाला है । बिहार के सामंतों के दवाब के सामने उन्होंने घुटना टेक दिया और उसको ठंढे बस्ते में डाल दिया । दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि जो शिक्षा के बारे में बहुत बात की गई है और शिक्षा मंत्री जी बैठे हुए हैं, प्लस–टू की पढ़ाई सभी ग्रामीण इलाकों में हर पंचायत में शुरू हो गया, भवन भी सभी जगह नहीं है, इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है और प्लस–टू की साईंस और आर्ट्स की पढ़ाई शुरू हुई, कॉमर्स की पढ़ाई को कहां सरकार ने रोक करके रख दिया यह बताना चाहेंगे अपने जवाब में...

अध्यक्ष : आपका समय पूरा हो गया है ।

श्री अजय कुमार : आखिरी सर, एक शब्द बोलकर मैं खत्म कर रहा हूं । स्वास्थ्य विभाग के बहुत बड़े–बड़े भवन बन रहे हैं, उसके बारे में बहुत पीठ भी ठोका जा रहा है लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि जो नेशनल आँकड़ा कहता है जितने लोगों पर एक हॉस्पिटल और उसमें एक डॉक्टर होना चाहिए क्या वह डॉक्टर सरकार देगी कि नहीं। अंत में, एक अपील करते हुए अनुरोध, मतलब अपनी बात को रखते हुए मैं यह कहना चाहता हूं कि आज गरीबों के घर को उजाड़ा जा रहा है, हाई कोर्ट का वर्डिक्ट है इसी सदन में माननीय मुख्यमंत्री जी का आश्वासन था किसी भी भूमिहीन का घर तब तक नहीं उजाड़ा जाएगा जब तक कि उसको पुनर्वासित नहीं किया जाएगा, मैं इन्हीं शब्दों के साथ आपका शुक्रिया कहते हुए अपनी बात खत्म करता हूं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री माधव आनंद जी ।

(व्यवधान)

श्री बैद्यनाथ प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था में खड़ा हूं । अभी प्रतिपक्ष से एक माननीय सदस्य ने पूरे चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्नचिन्ह उठाया और उसमें शपथ लेकर इस सदन के सदस्य हैं, अगर चुनाव प्रक्रिया अनफेयर हुआ, ऐसा वे महसूस करते हैं तो उनको सदन से त्यागपत्र देकर चला जाना चाहिए और सदन में अगर रहना है तो उन्हें अपने वक्तव्य के लिए खेद व्यक्त करना चाहिए ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री माधव आनंद जी, आपका समय 2 मिनट है ।

श्री माधव आनंद : माननीय अध्यक्ष जी, सबसे पहले तो मैं आपको...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति–शांति ।

श्री माधव आनंद : शांत हो जाइए । माननीय अध्यक्ष जी, सबसे पहले तो मैं आपको धन्यवाद देना चाहूंगा...

अध्यक्ष : कृपया शांति बनाए रखें ।

श्री माधव आनंद : कि महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर मुझे बोलने का मौका दिया । साथ ही साथ एन0डी0ए0 के सभी शीर्ष नेतृत्व और मैं अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं कि उनके कारण मैं पहली बार इस विधान सभा के सदस्य के रूप में यहां आया हूं । अध्यक्ष जी, मैंने देखा है 2005 से पहले का भी बिहार देखा था और उस समय मैं छात्र जीवन में था । उस समय की क्या स्थिति थी और जो स्थिति थी वह भयावह स्थिति थी और मैं क्योंकि 2 मिनट का ही वक्त है सर लेकिन आपसे हमलोगों को संरक्षण मिलेगा क्योंकि पहली बार मौका मिला है तो हो सकता है 5–10 सेकेंड आगे–पीछे हो जाए । 2005 से पहले की जो स्थिति थी, जब हमलोग छात्र जीवन में थे जब हमलोग दिल्ली गए थे तो उस समय बिहारी के नाम पर कितना हमलोगों को प्रताड़ित किया जाता था, बिहारी लोग यही समझते थे कि हमलोग बिहार से आए हैं तो लोग मकान किराया पर देने के लिए तैयार नहीं थे, तरह–तरह की आलोचनाओं का सामना करना पड़ता था लेकिन जब 2005 में सरकार बनी श्री नीतीश जी की और उसके बाद से जो परसेप्शन चेंज हुआ अपने बिहारियों को

लेकर आज मैं गर्व से कहता हूं जब पासपोर्ट पर भी लिखता हूं कि हम बिहार के हैं तो गर्व के साथ लिखते हैं । आदरणीय नीतीश कुमार जी ने 2 बहुत ही महत्वपूर्ण काम किए हैं एक तो जंगलराज से बिहार को बाहर निकाला और दूसरा, हर घर में बिजली पहुंचाने का काम किया । 2005 से पहले हमलोग भी जब गांव जाते थे तो लालटेन में पढ़ना पड़ता था अब तो मुझे लगता है लालटेन की कहीं आवश्यकता नहीं है, थोड़े–बहुत घरों में जो लालटेन की आवश्यकता है वही लालटेन के समर्थक हो सकते हैं और हर घर में जैसे बिजली आदरणीय नीतीश कुमार जी ने पहुंचाने का काम किया है । यह जो 5 साल का कार्यकाल है, जो अपनी एन0डी0ए0 की सरकार है, मुझे पूर्ण विश्वास है और मेरी पार्टी को भी पूरा विश्वास है यह जो 5 साल होगा बिहार के विकास का स्वर्णिम काल होगा । बहुत सारे युवा साथी यहां आए हैं चुनकर, सबका लाभ मिलेगा और जिस तरह कैबिनेट की पहली बैठक में ही, जिस तरह की योजनाओं को अनाउंस किया गया...

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हुआ, कृपया बैठ जाएं ।

श्री माधव आनंद : चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए और मैं एक बात कहना चाहता हूं नए गृह मंत्री जी से, अगर राज्य के हित में कोई भी निर्णय लेना पड़े थोड़ा–बहुत कठिनाई लोगों को हो सकती है लेकिन लंबे टर्म के लिए सबको फायदा मिलेगा आप निर्णय लेते रहिए और बिहार का विकास इसी तरह करते रहिए । जय हिन्द ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री संसदीय कार्य विभाग ।

श्री विजय चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, अभी जिस प्रस्ताव पर हमलोग चर्चा कर रहे हैं, महामहिम ने जो हमलोगों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया है, हम भी जो प्रस्ताव है और माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो बातें कहीं हैं हम भी उस प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए हम खड़े हुए हैं और महोदय, प्रस्ताव के पक्ष में इसलिए बोल रहे हैं कि यह कोई सिर्फ एक परंपरा नहीं है कि महामहिम आते हैं और संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हैं यह सिर्फ परंपरा का निर्वहन नहीं है बल्कि एक बड़े संवैधानिक सिद्धांत का प्रतिपादन है । महोदय, हमारा संविधान कहता है कि राज्य की या केंद्र में भी वही चीज है कि राज्य की कार्यपालिका, विधायिका के प्रति जिम्मेदार हो और महामहिम कार्यपालिका के प्रधान होते हैं, उस हैसियत से जब कभी कोई नए सदन का गठन होता है या फिर प्रतिवर्ष जब साल की पहली बैठक होती है सदन की उसमें महामहिम आकर सरकार की नीतियों को, कार्यक्रमों को, उपलब्धियों को, भविष्य की योजनाओं को सदन में बताते हैं मतलब कार्यपालिका के प्रधान होने के नाते वे विधायिका के प्रति उत्तदायित्व का परिचय देते हैं कि हम आपको जवाब देने के लिए बाध्य हैं इसलिए हम आपको सारी जानकारी दे रहे हैं ।

(क्रमशः)

टर्न–11 / यानपति / 04.12.2025

(क्रमशः)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यह सैद्धांतिक जो सिद्धांत है उसका प्रतिपादन होता है और इसके लिए महामहिम आए थे और हमलोग महामहिम के शुक्रगुजार इसलिए हैं और हमलोगों ने धन्यवाद का प्रस्ताव इसलिए दिया है क्योंकि उन्होंने जो बातें कहीं, जो सरकार की योजनाओं की चर्चा की है, उपलब्धियों की भी चर्चा की है, भविष्य की योजनाओं की भी चर्चा की है और सच पूछते हैं अध्यक्ष महोदय तो 20 साल की उपलब्धियों को जिस रूप में महामहिम ने अपने संबोधन में व्यक्त किया है, सदन को तो सहमत होना ही चाहिए क्योंकि जब बिहार की जनता ने ही 20 साल की उपलब्धियों पर इतनी बड़ी मुहर लगा दी है तो हमलोग तो उसी के प्रतिनिधि हैं । महोदय, जनता ने इतनी जबरदस्त मुहर लगाई कि हमारे पत्रकार मित्र भी बैठे हैं, सारे चुनाव वैज्ञानिकों के, सारे चुनाव विश्लेषकों के, सारे अनुमान, सारे आकलन, सारी भविष्यवाणियां पीछे छूट गईं और जनता का जो मैंडेट था, जो जनादेश था हमलोगों की हुकूमत के पक्ष में वह सारे अनुमानों से बहुत आगे निकल गया । यह तो अब जनता के आदेश ने ही प्रमाणित कर दिया है कि राज्यपाल ने जो कहा है वह कितना सही कहा है, यह तो जनादेश से प्रमाणित होता है और आजकल एक चीज और हम देखते हैं कि बहुत लोग तो महिला के बारे में, संदीप जी भी बोल रहे थे, वैसे चुनाव आयोग की घोषणा के बाद जो रूकावट होती है आचार संहिता में वह नई योजना के बारे में होती है, हमेशा जान लीजिए कि कोई नई योजना घोषित करके आप किसी को आर्थिक लाभ पहुंचाने की बात करते हैं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : संदीप जी, कृपया बैठ जायं । प्लीज, बैठ जाइये । बिना अनुमति के मत बोलिए । बैठे–बैठे मत बोलिए । आपको मौका मिला था, शांत रहिए ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, अगर ऐसी बात हो तो सरकार के लाखों कर्मचारी हैं जब चुनाव की घोषणा हो जाय, आचार संहिता लागू हो जाय तो उनको महीने का वेतन भी नहीं दिया जाय कि वेतन दे देंगे तो अलग चीज है और...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया टोका–टोकी न करें ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : और यह नई योजना के लागू करने के बाद योजना को, ऑनगोइंग चालू योजना में देने में कोई रुकावट नहीं है, कोर्ट का फैसला हो चुका है यह जान लीजिए । नई योजना करके उसको रोकना, खैर महोदय, उसमें नहीं जाना है, हम यह कह रहे थे महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया बिना अनुमति के नहीं बोलें । आसन से अनुमति लेकर बोलें ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : हम दूसरी बात कह रहे थे, हम तो सिर्फ एक उदाहरण दे रहे थे कि आजकल इस जनादेश के एक अति सरलीकृत व्याख्या का प्रचलन हो गया है कि इस जनादेश के मूल में इनको सिर्फ महिला रोजगार योजना ही दिखती है,

बल्कि जान लीजिए, वह तो तात्कालिक कारण थे इसके बुनियादी कारण 20 साल की उपलब्धियां हैं । 20 साल में...

(व्यवधान)

आपलोग तो एस0आई0आर0 करते–करते हमारे जो मुख्य चुनाव आयुक्त हैं ज्ञानेश कुमार जी उनकी विश्वसनीयता इतनी बढ़ा दी कि वह अंतर्राष्ट्रीय चुनावी संस्था के प्रधान नियुक्त हो गए हैं । यह समझ लीजिए, आपलोग तो इतना मिथ्या, फरेबी आरोप इन्होंने ज्ञानेश कुमार पर लगाया, एक मिसाल नहीं दे पाए, एक उदाहरण नहीं दे पाए लेकिन कितना वोट चोरी–वोट चोरी का नारा लगाए, एक वोट चोरी साबित कर सके और यही हमारे मुख्य चुनाव आयुक्त का सबसे बड़ा प्रमाणपत्र हो गया और वह आज अंतर्राष्ट्रीय संस्था के प्रधान बन गए महोदय, ज्ञानेश कुमार । हम तो यह कह रहे थे कि यह 20 साल की उपलब्धियां हैं, पूरे चुनाव में एक कोने से नहीं आवाज आ रही थी कि सरकार या मुख्यमंत्री के खिलाफ एक आवाज हो । मुझे याद है कि यहीं पर दो साल पहले करीब...

(व्यवधान)

बैठिए न, आप बोल रहे थे तो हम बोल रहे थे ।

अध्यक्ष : संदीप जी, बिना अनुमति के न बोलें । आसन से अनुमति लेने पर बोलें । कृपया टोका–टोकी नहीं करें । प्लीज, बैठ जाइये ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, हमको याद है इसी सदन में दो साल पहले नेता प्रतिपक्ष यहां भी बोले थे और बाहर भी बोलते थे...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : प्लीज, शांति बनाए रखिए ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : हमारे मुख्यमंत्री के बारे में कि यह अब थक गए हैं, इनको आराम करना चाहिए, उसी दिन हमने कहा था आपको, डॉक्टर हरिवंश राय बच्चन की दो पंक्तियां सुनाई थीं कि

''अभी कहां आराम बदा, यह मूक निमंत्रण छलना है
अभी तो मीलों इनको, मीलों इनको चलना है ।''

महोदय, यह मीलों चलकर आज मकबूलियत का वह मुकाम हासिल कर लिए हैं कि आनेवाली पीढ़ियां रश्क करेंगी, उनको ईर्ष्या होगी, राजनीतिक पीढ़ी में, 10–20 साल बाद की राजीनीतिक पीढ़ियों के मन में यह इच्छा जगेगी, जब आज का समय कल इतिहास बनेगा और हमारे नेता की उपलब्धियां पढ़ेगा, एन0डी0ए0 सरकार की उपलब्धियां पढ़ेगा उनके मन में यह भाव जगेगा काश हमारे जमाने में भी एक ऐसा नेता होता । यह हमारे नेता की उपलब्धियां हैं और महोदय अंत में क्योंकि समय नहीं है, हमारे उप मुख्यमंत्री जी को भी बोलना है और अंत में सिर्फ, अब तो एस0आई0आर0 पर हम क्या बोलें । अंत में महोदय, समय कम है इसलिए यही कहेंगे कि इस प्रचंड जनादेश के आलोक में हमें अपनी जिम्मेदारियों का अहसास भी है, हम अपनी जिम्मेदारियां समझ रहे हैं कि जनाकांक्षाएं भी इसी अनुरूप बढ़ी हुई होंगी लेकिन हम भी एन0डी0ए0 के सभी साथी नीतीश कुमार के

नेतृत्व में संकल्पित हैं कि आनेवाले समय में जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के सपनों का विकसित बिहार बनाकर ही दम लेंगे यह हमलोग भी संकल्पित हैं और आपका इशारा, सिर हिला रहे हैं हमको बैठने के लिए तो हम बैठ जाते हैं । बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री सतीश कुमार सिंह यादव जी । आपका समय एक मिनट है ।

श्री सतीश कुमार सिंह यादव : धन्यवाद अध्यक्ष महोदय जी, हमको समय बहुत कम है तो आपको धन्यवाद देते हुए मैं अपनी बात रखता हूं । पिछले कार्यकाल में सरकार ने कहा था कि हर प्रखंड में सरकारी महाविद्यालय की स्थापना होगी लेकिन हमारे विधान सभा रामगढ़ में अभी दुर्गावती प्रखंड और नुआव प्रखंड में सरकारी महाविद्यालय की स्थापना नहीं हुई है जिसके चलते वहां के बच्चे और बच्चियां जो हैं बाहर पढ़ाई करने के लिए मजबूर होते हैं साथ ही सरकारी अस्पतालों में बिल्डिंग तो बन गई हैं अस्पतालों की लेकिन डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं । हमारे विधान सभा के अस्पतालों में आजतक एक भी हड्डी का डॉक्टर, महिला प्रसूति रोग विभाग की एक भी डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं जिसके चलते बहुत दिक्कतें होती हैं साथ ही हमलोगों की विधान सभा एन0एच0–19 जी0टी0 रोड से सटा हुआ है तो हमेशा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं जिसके चलते लोग इलाज के अभाव में जान गंवाना पड़ता है तो एक ट्रामा सेंटर का अगर निर्माण हो जाय तो अच्छा रहेगा । अध्यक्ष महोदय, साथ ही खेती का सीजन है, धान अधिप्राप्ति जो है अपने सरकारी लक्ष्य से बहुत पीछे है । हमारे कैमूर जिले में और खासकर रामगढ़ विधान सभा में अभीतक एक परसेंट भी धान खरीदारी नहीं हुई है जिससे किसान अपने धान को औने–पौने दाम में बिचौलियों को...

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हुआ, कृपया बैठ जायं ।

श्री सतीश कुमार सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, थोड़ा सा सुन लिया जाय, अपनी पार्टी के इकलौते विधायक हैं । अपने धान को औने–पौने दाम में बेच रहे हैं और डी0ए0पी0 भी उपलब्ध नहीं है जिससे किसान अपने डी0ए0पी0 को खरीदने के लिए मजबूर हैं ।

टर्न–12 / मुकुल / 04.12.2025

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता जी, आपका समय एक मिनट का है ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : Thank you, Mr. Speaker, I stand here to support the speech of hon'ble Governor and oppose the speech as well. समय बहुत कम है मैं सीधा माननीय गृह मंत्री जी से मुखातिब होना चाहता हूं...

(व्यवधान)

बोलिए देबहो, लेकिन हिंदिओ बोलहिउ....

अध्यक्ष : इधर देखिए, आप आसन की ओर देखिए, गुप्ता जी आसन की ओर देखिए ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : माननीय गृह मंत्री सम्राट चौधरी जी से हम बात करना चाहते हैं, सम्राट जी आप मजबूत आदमी हैं आपको जब ''बुलडोजर बाबा'' कहता है तो लगता है कि कॉपी कर रहा है, भईया आप मजबूत आदमी हैं, सम्राट बुलडोजर

चलाइये और सम्राट बुलडोजर को स्मार्ट बुलडोजर में बदलिए, सिर्फ मानवीय पक्षों को सामने रखिए और उसके पीछे हिडेन एजेंडे को जरूर देखिए ओर हमको लगता है कि आप जरूर सम्राट बुलडोजर को स्मार्ट बुलडोजर बदलने में जरूर कामयाद होंगे, मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं and with total conviction and with no hesitation I admit कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने विमन इम्पावरमेंट में जबरदस्त काम किया है इसमें कोई दोराय नहीं है, उन्होंने 50 प्रतिशत आरक्षण दिया है, महिला पुलिस बल को पूरे देश में सबसे ऊपर किया है यह बड़ी गौरवान्वित बात है, 35 प्रतिशत आरक्षण दिया है, मैं इसको एडमायर करता हूं, इसको एकनॉलेज भी करता हूं लेकिन जब हर घर, हर महिला को रोजगार देने की बात आपने कही है और 1 करोड़ 56 लाख महिलाओं को आपने दिया है लेकिन स्पीच में एक बात गवर्नर साहब ने कही कि जो अच्छा काम करेगी महिला उसको 1 लाख 90 हजार देंगे ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपका समय समाप्त हुआ कृपया आप बैठ जाएं । माननीय सदस्या, श्रीमती ज्योति देवी जी ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, एक मिनट, उसमें जो पेंच है, सरकार से हम यह जानना चाहते हैं कि वह जो पेंच है....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइये आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : सर, एक मिनट, हम एकलौता आदमी हैं, बड़ा गरीब आदमी हैं बोलने दीजिए, सर, एक मिनट और बोलने दीजिए ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप महिला का अधिकार मत छीनिए, महिला खड़ी हो गयी हैं, विधायिका खड़ी हो गयी है ।

श्रीमती ज्योति देवी : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बाराचट्टी विधान सभा क्षेत्र की महान जनता को धन्यवाद देती हूं तथा हम पार्टी की ओर से इस गरिमामयी सदन के माध्यम से....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपको आगे बोलने का मौका मिलेगा, बैठ जाइये ।

श्रीमती ज्योति देवी : माननीय महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायी, दूरदर्शी एवं विकासोन्मुख अभिभाषण के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करती हूं और आपको भी विधान सभा अध्यक्ष बनने की ढेर सारी बधाई देती हूं । माननीय मुख्यमंत्री जी को 10वीं बार मुख्यमंत्री बनें इसके लिए भी बधाई देती हूं । हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री को भी मैं धन्यवाद देती हूं, सभी माननीय विधायकगण को भी धन्यवाद, गृह मंत्री तथा उप मुख्यमंत्री महोदय को बहुत–बहुत धन्यवाद । माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में जिस प्रकार राज्य के सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक विकास की समग्र तस्वीर प्रस्तुत की है, वह न केवल सरकार की उपलब्धियों को दर्शाता है, बल्कि भविष्य की स्पष्ट दिशा भी तय करती है । यह अभिभाषण केवल औपचारिक वक्तव्य नहीं, बल्कि राज्य के विकास का एक ठोस रोडमैप है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्या, आपका समय समाप्त हुआ, कृपया आप बैठ जाएं, आपको आगे बोलने का मौका मिलेगा । अब सरकार का उत्तर होगा ।

सरकार का उत्तर

अध्यक्ष : माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री सम्राट चौधरी जी ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के वाद–विवाद में सरकार के उत्तर की ओर से, सरकार की ओर से जवाब में और लगभग 14 माननीय सदस्यों ने, माननीय मुख्यमंत्री जी ने विशेष तौर पर अपनी बात रखी, माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा जी, माननीय मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी जी ने और कई माननीय सदस्य, लगभग 14 माननीय सदस्यों ने अपनी बात को रखा है और यह सरकार, नई सरकार जनता के आशीर्वाद से चुनकर आई है और 2025 में जो जनमत एन0डी0ओ0 को बिहार की जनता ने दिया है और जो हमलोगों ने कमीटमेंट किया था, अपने मेनिफेस्टो के माध्यम से सभी पांचों पार्टियों ने मिलकर जनता के बीच में कमीटमेंट किया था, उसके आधार पर हमलोगों ने सरकार की रूपरेखा और महामहिम राज्यपाल के माध्यम से सरकार ने अपनी बातों को रखा है और पिछले 20 वर्षों में नीतीश कुमार जी ने जो पूरा सुशासन, बिहार में जो विकास की गति को आगे बढ़ाने का काम किया उसकी भी पूरी रूप–रेखा इस अभिभाषण के माध्यम से देने का काम किया है । जहां हम मेडिकल के सेक्टर में 2005 में, अभी हमारे साथी मित्र सर्वजीत जी बोल रहे थे बिहार में अंग्रेजों ने दो मेडिकल कॉलेज बनाये थे और 4 कर्पूरी ठाकुर जी और संयुक्त सरकारों ने 1978 में बनाने का काम किया था 1978 और 1967 में किया था । उसके बाद कोई भी मेडिकल कॉलेज 1978–1979 के बाद 2008 तक एक मेडिकल कॉलेज नहीं बना, चाहे वह कांग्रेस की सरकार रही हो या राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल की सरकार रही हो कभी बना नहीं । लेकिन आदरणीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में जब एन0डी0ए0 की सरकार बनी तो आज गर्व से कह सकते हैं कि लगभग 12 मेडिकल कॉलेज और 27 मेडिकल कॉलेज की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का काम एन0डी0ए0 की सरकार कर रही है और कई चीजें हमारे विरोधी पक्ष के साथी ने आरोप लगायें, चूंकि हमारी सारी चीजें हमारे माननीय मंत्री और माननीय विधायकों के माध्यम से आपके पास आयी हैं, मैं दो–तीन चीजों को बड़ा स्पष्ट बताना चाहता हूं ये लोग बार–बार बोलते हैं कि सुशासन, यह नीतीश कुमार जी ने सुशासन स्थापित किया है यहां कोई बुलडोजर इशू नहीं है, न मेरा नाम बुलडोजर है, मैं सिर्फ सम्राट चौधरी के नाम से जाना जाता हूं इतना स्पष्ट रहियेगा और बिहार में न्यायालय ने तय किया है, न्यायालय ने यह पूरी व्यवस्था खड़ी की, जिला प्रशासन को निर्देश दिया और सभी जगह जो अतिक्रमण है इसकी कार्रवाई चल रही है, माफिया पर तो कार्रवाई होगी ही चाहे वह जमीन माफिया हो, बालू माफिया हो या शराब माफिया हो नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में कोई बचेगा नहीं इतना जरूर गारंटी देना चाहता हूं और कोई भी, गरीब हो एकदम उसको सरकार तो जमीन भी देती है, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लगभग 60 लाख परिवारों को पक्का मकान दिया गया, कभी जाति नहीं पूछी गयी, धर्म नहीं पूछा गया, खाने के लिए अनाज हम देते हैं और लगभग 8.5 करोड़ लोगों को

सीधा अनाज पहुंचाते हैं, कभी जाति–धर्म नहीं पूछे जाते हैं और सारी चीजों को वह तो आप माननीय विधायक हैं ज्यादा जान रहे हैं, उचित फोरम पर आप दीजिए जरूर जवाब मिलेगा और जिनकी, जहां भी अभी–अभी मनोहर जी ने कहा कि एफ0आई0आर0 बिना पैसे का नहीं होता है तो ये डी0आई0जी0 रहे हैं लगातार पूरा जीवन इन्होंने पुलिस में ही व्यतीत किया है तो अपना अनुभव सरकार को शेयर कीजिए एक–एक व्यक्ति से भी अगर पैसा लिया जायेगा तो जरूर उसको बर्खास्त करने का काम नीतीश कुमार की सरकार करेगा और कुछ लोगों ने कहा रेलवे, अरे सरकार का दायित्व है 2022 में लगभग 6 हजार स्पेशल ट्रेन चलाये गये, 2023 में लगभग साढ़े 7 हजार रेलवे की स्पेशल ट्रेनें चलाई गयीं, 2024 में आपको लगभग साढ़े 9 हजार रेलवे की स्पेशल ट्रेनें चलाई गयी थीं और इस बार हमलोग गये थे, स्वयं गये थे, मैं गया था केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह जी गये थे, संजय झा जी गये थे, हमलोगों ने जाकर आग्रह किया कि बिहार के लोगों को दिक्कत नहीं हो यही लोग दिखाते थे, विरोधी पक्ष ही, कांग्रेस के लोग, राजद के लोग दिखाते थे कि जो बाहर से लोग आते हैं उनको दिक्कत होती है, इस बार साढ़े 12 हजार ट्रेन बिहार में स्पेशल चलाकर बिहार के लोगों को लाने का काम किया और स्वाभाविक है, ये लोग प्रश्न उठा रहे हैं जिसने इलेक्शन कमीशन को पॉकेट में रखा है, लोकतंत्र की हत्या की है और नीतीश कुमार जी यहां मुख्यमंत्री हैं यदि जे0पी0 आंदोलन में ये जेल नहीं गये होते तो आज इतना बड़ा लोकतंत्र का नेता नहीं बने होते उसका कारण कौन था कांग्रेस पार्टी । यही लोग बोल रहे थे जिस लालू प्रसाद जी को कहा गया गरीबों का बेटा, गुदरी का लाल बेटा....

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन की राय से आज के निर्धारित कार्य पूरे होने तक बैठक की अवधि विस्तारित की जाती है ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : आदरणीय अध्यक्ष जी, बहुत स्पष्ट है, सरकार की नीति एकदम स्पष्ट है लालू प्रसाद जी मुख्यमंत्री बनें जिस–जिस नारे को उन्होंने दिया उन्हीं नारे को उन्होंने तोड़ने का काम किया और स्वाभाविक है, कई हमारे साथी ने कहा कि अब तो लालटेन युग ही समाप्त हो गया, अब तो घरों में बिजली है ।

क्रमशः

टर्न–13 / सुरज / 04.12.2025

(क्रमशः)

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : और बिजली बिल सिर्फ सत्ता पक्ष का नहीं विरोधी दल के नेता का भी बिजली बिल आता है तो 125 यूनिट माफ करके आता है । यह नीतीश कुमार जी की सरकार है, किसी को छोड़ते नहीं हैं । 01 करोड़ 90 लाख परिवार हैं, जिसके सभी परिवार को 125 यूनिट बिजली हम मुफ्त देते हैं और...

(व्यवधान)

जानकारी लीजियेगा और विस्तार से आपको, माननीय सदस्य अभी नयी आयी हैं । आगे और विस्तार से देखिये सब्सिडी और अधिक देते हैं और मैंने स्पष्ट तौर पर कहा कि...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : संदीप जी बैठे–बैठे मत बोलिये ।

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : मुख्यमंत्री हों, विरोधी दल के नेता हों या आम गरीब हो । बिहार की सरकार ने जब पॉलिसी बनायी 125 यूनिट हम सबको देंगे तो सबको देने का काम किया, किसी को छोड़ने का काम नहीं किया और मैंने वह दिन भी देखा है माननीय अध्यक्ष जी, जब कांग्रेस की सरकार थी, यू0पी0ए0 की सरकार थी, यूनाइटेड फ्रंट की सरकार थी । वह दिन भी हमलोगों ने देखा है कि जब कांग्रेस का राज था तो सर्किट हाउस में बैठकर तय किया जाता था कि कौन चुनाव जीतेगा, कौन चुनाव हारेगा । हमारे लोग तो 30 वोट से हार गये । आप पूछिये यहां बैठे हैं बसपा के विधायक 30 वोट से हमारे लोग चुनाव हारकर आयें । सत्ता का दुरूपयोग करना होता तो हमारे लोग चुनाव जीतकर आये होते । आप यह समझिये यह लोकतंत्र है और हमारे लोग हजार–हजार वोट के नीचे कितने लोग आये या हारकर आये यह भी बताना चाहता हूं और हमलोगों ने वह भी देखा है 2002 का चुनाव, 1995 का चुनाव । छः–छः महीना तक चुनाव चला था बिहार में और जो चुनाव कराने वाले इलेक्शन कमिशन के कमिशनर थे वह कांग्रेस के सदस्य बनते थे, राज्यसभा के सदस्य बनते थे और जो सुप्रीम कोर्ट में जज बनते थे वह भी कांग्रेस पार्टी के सदस्य होते थे । कभी जज बनते थे, कभी राज्यसभा जाते थे, वह दिन भी देखा है बिहार के लोगों ने, देश के लोगों ने । इसलिये लोकतंत्र है, लोकतंत्र में पूरी व्यवस्था जनता को तय करने दीजिये । जनता ने पूरी व्यवस्था दिया है, जनता के माध्यम से पूरी सरकार चुनकर आयी है और जनता का भरोसा है । जनता ने 202 सीटें देकर बिहार में प्रचंड बहुमत नीतीश कुमार जी और मोदी जी को देने का काम किया । इसलिये हमलोगों ने तो पहले दिन से काम शुरू कर दिया है । अध्यक्ष महोदय, जब पहली कैबिनेट हुई तो न्यू टेक हब के लिये कमेटी बनाने का काम किया गया, न्यू एज एकोनॉमी के तौर पर एक कमेटी बनाने का काम किया गया, स्टार्टअप के पूरे ग्रुप्स को चलाने के लिये कमेटी बनाया गया, अर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के लिये कैसे हम उसका प्रयोग कर सकते हैं, लोग दुरूपयोग नहीं करें और हमने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जो लोग मीडिया पर या सार्वजनिक स्थान पर किसी व्यक्ति को गाली देने का काम करेंगे, उसको जेल के अंदर जाना होगा, कोई बचा नहीं सकता है । आप सार्वजनिक गाली नहीं दे सकते हैं, यह अधिकार नहीं है । लोकतंत्र, लोकलज्जा से चलता है सबको यह व्यवस्था में आना पड़ेगा । इसलिये पूरी व्यवस्था लगाातार नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में चल रही है । शुगर मिल के बारे में विजय जी ने बताया कि 25 शुगर मिल जो हमारे, उसमें से 09 जो बंद पड़े हैं, उनको भी पूर्ण रूप से चालू करने का काम किया जायेगा । इसलिये माननीय सदस्यों ने अपनी बातों को रखा है और आगे भी हमलोग कई विस्तार से बातें रखेंगे लेकिन मैं अध्यक्ष जी

आपके माध्यम से जरूर आग्रह करूंगा सभी माननीय सदस्यों से, कई लोग नये सदस्य हैं सबको एक ट्रेनिंग भी दीजिये आगे के दिनों में कैसे लोकतंत्र चले और लोकतंत्र अच्छे से चले । लेकिन आज जरूर आग्रह करूंगा कि राज्यपाल के अभिभाषण में जो आज वाद–विवाद हुआ है उसको आपलोग पारित करने का काम करें और महामहिम राज्यपाल को धन्यवाद देने का काम जरूर यह सदन करे । धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण अब मैं संशोधन और मूल प्रस्ताव को लूंगा ।

क्या माननीय सदस्य, श्री अख्तरूल ईमान अपना संशोधन वापस लेना चाहते हैं ?

श्री अख्तरूल ईमान : अध्यक्ष महोदय, संशोधन वापस लेने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन...

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''धन्यवाद प्रस्ताव के अंत में माननीय सदस्य, श्री अख्तरूल ईमान द्वारा प्रस्तुत संशोधनों को जोड़ा जाय ।''

प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

(व्यवधान)

अब मैं मूल प्रस्ताव को लेता हूं ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''सदस्यगण इस अभिभाषण के लिये राज्यपाल के कृतज्ञ हैं ।''

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

अब सभा की कार्यवाही शुक्रवार दिनांक 05 दिसंबर, 2025 को 11.00 बजे पूर्वा0 तक के लिये स्थगित की जाती है ।